

दिल्ली में यमुना पर पहली बार.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



क्या टूटने से बचा चीची का.. 11

वर्ष - 02, अंक - 219 | गाजियाबाद / बुधवार 11 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

इंस्टाग्राम-फेसबुक अब एआई से यूजर की उम्र पहचानेंगे

● टीनेजर्स के लिए सेफ्टी फीचर जनवरी से अनिवार्य होंगे ● स्क्रीन टाइम लिमिट भी तय होगी

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। सोशल मीडिया कंपनी मेटा अब बच्चों और टीनेजर्स की सुरक्षा के लिए एक नया एआई सिस्टम दुनियाभर में लागू करने जा रही है। इस सिस्टम की मदद से इंस्टाग्राम-फेसबुक एप खुद पहचान लेंगे कि यूजर टीनेजर है या नहीं। इसके बाद, उसका अकाउंट अपने आप सख्त सुरक्षा और प्राइवेसी वाले टीन अकाउंट में बदल जाएगा। दुनियाभर की सरकारों की ओर से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर बढ़ाई जा रही सख्ती को देखते हुए कंपनी ने यह कदम उठाया है।



एआई पकड़ेगा फर्जी उम्र, सेफ सेटिंग्स ऑटोमैटिक ऑन होंगी

मेटा ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि वह अप्रैल 2025 से एक नई एआई तकनीक की टेस्टिंग कर रहा है। अगर किसी टीनेजर ने अकाउंट बनाते समय अपनी उम्र गलत बताई होगी, तो भी एआई उनके इस्तेमाल करने के तरीके से असली उम्र पहचान लेगा। उम्र का पता चलते ही अकाउंट अपने-आप टीन सेटिंग्स में बदल जाएगा, जिससे उनकी स्क्रीन पर खराब या आपत्तिजनक वीडियो/पोस्ट दिखना बंद हो जाएंगे। पेरेंट्स को यह समझाने के लिए कि यह सुरक्षा सिस्टम कैसे काम करता है, मेटा खास जानकारी देने वाले वीडियो भी जारी करेगा। मेटा पर पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा से खिलवाड़ के आरोप लगे हैं।

स्क्रीन-टाइम लिमिट से क्वाइट मोड तक ये नियम बदलेंगे

कानूनी समझौते के बाद मेटा अपने एप में कई नए सुरक्षा फीचर्स ला रहा है। अब टीनेजर्स के लिए रोजाना एप इस्तेमाल करने की टाइम लिमिट तय होगी और रात में नोटिफिकेशन बंद रखने के लिए क्यिूट मोड भी मिलेगा। साथ ही, अनजान लोगों से बातचीत रोकने के लिए सख्त प्राइवेसी नियम लागू किए जाएंगे। मेटा ने टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब से भी इन सेफ्टी नियमों को लागू करने की अपील की है। टीनेजर्स के लिए नियमों को कड़ा करने की यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब कई देश सख्त कदम उठा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मेटा के अनुसार, ये सभी नए फीचर्स और वैश्विक एआई एज वेरिफिकेशन प्रक्रिया जनवरी से आधिकारिक रूप से लागू होने शुरू हो जाएंगे।

छठ पूजा से पहले बिहार के घाटों की किलेबंदी

2 जर्मन हैंगर पंडाल बनेंगे, प्राइवेट नाव चलाई पटाखे छोड़े तो खैर नहीं



पटना (एजेंसी)। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने छठ महापर्व (13 से 16 नवंबर) के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश सभी जिलों को दिए हैं। विभाग ने घाटों और तालाबों के आसपास पटाखों की बिक्री एवं उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने तथा नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर जिलाधिकारियों (डीएम) को खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां बैरिकेडिंग कराने तथा पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों और स्वयं सेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभाग ने 13 से 16 नवंबर तक छठ घाटों के आसपास पटाखों की बिक्री और उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।



घाटों पर इस बार और कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था

निर्देशों में घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने, जिला नियंत्रण कक्षों को 24 घंटे सक्रिय रखने तथा लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार जनसूचनाएं प्रसारित करने को भी कहा गया है। बिजली का करंट लगने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी विद्युत प्रतिष्ठानों की पहले से जांच करने का निर्देश दिया गया है। घबराहट और भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन एवं संचार योजनाएं तैयार करने, छठ पूजा समितियों के साथ समन्वय बैठकें करने और पूरे पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

● 544 पेज की किताब में 7 चैप्टर, राजीव से प्यार का जिक्र

● इटली का पासपोर्ट छोड़ने और पीएम पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' की ब्रिकी शुरू हो गई है। बिना किसी लॉन्च इवेंट के यह सीधे मार्केट में मिलने लगी है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं। किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरुआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम। इसके बाद एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है। किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद पीएम न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है।



किताब का नाम व्हाइटवॉशिंग होना चाहिए था

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई आत्मकथा बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बाजार में आते ही राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। भाजपा ने इस किताब को लेकर सोनिया गांधी पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने आरोप लगाया कि इस किताब का मकसद नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालना यानी व्हाइटवॉश करना है। केशवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट करते हुए कहा कि इस किताब का शीर्षक बिलॉन्गिंग की जगह व्हाइटवाशिंग होना चाहिए था, क्योंकि इसमें कांग्रेस के ऐतिहासिक पापों को छिपाने की कोशिश की गई है।

लोकसेवक 48+घंटे अगर हिरासत में तो अपने आप सस्पेंड

● सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल की ● पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है- अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 6 नवंबर के आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी।



पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी

आरोपी प्रशासक सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका मंजूर की थी। हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट से मिली रेगुलर बेल रद्द कर सिंह को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी के रिहा होने के करीब एक साल बाद जमानत में दखल दिया। उसके आदेश से लगता है कि सेशन कोर्ट की एक टिप्पणी का असर जमानत रद्द करने के फैसले पर पड़ा। सेशन कोर्ट ने रिश्वत की रकम को बहुत कम बताया था। मामले के रिकॉर्ड के मुताबिक इस केस में 2025 में विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(ए) के तहत दर्ज हुई थी। आरोप के समय सिंह समस्तीपुर के सरकारी सदर अस्पताल में प्रशासक थे।

जमानत रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई। बेंच ने आदेश में कहा, 'एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहा।' जस्टिस पारदीवाला कहा- सरकारी कर्मचारी होने के कारण सिंह को स्वत: निलंबित माना जा सकता है। हैरानी की बात है कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया।' कोर्ट ने कहा कि राज्य को इस पहलू पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए। बेंच ने उम्मीद जताई कि राज्य इस मामले में कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करेगा।

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

● रूसी मॉडल अन्ना कोनिडेला से सन 2013 में शादी की थी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया। दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है। तलाक के फैसले के बाद पवन कल्याण की ओर से जारी बयान में कहा गया- अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा एक साथ बिताने के बाद हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे।



दक्षिणी महासागर के भारतीय इलाके में ऑक्सीजन लेवल बढ़ा

● 30 साल से बदलाव हो रहा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के महासागरों में ग्लोबल वार्मिंग से ऑक्सीजन घट रही है, लेकिन दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्रों में नया बदलाव मिला है, जो कि अच्छा संकेत है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अध्ययन के मुताबिक, 1993 से 2025 के बीच यहां पानी में घुली ऑक्सीजन बढ़ी है। सबसे ज्यादा बदलाव 300 से 2,000 मीटर की गहराई पर मिला। अंटार्कटिक क्षेत्र में ऑक्सीजन सालाना प्रति किलोग्राम पानी में 2.37 माइक्रोमोल और ध्रुवीय क्षेत्र में 1.41 माइक्रोमोल बढ़ी। 2,000 से 5,000 मीटर गहराई पर भी बढ़ोतरी के संकेत मिले। वैज्ञानिकों के मुताबिक, तापमान और खारापन बढ़ने से पानी की परतों का अंतर कम हुआ और सतह का ऑक्सीजनयुक्त पानी गहराई तक बेहतर ढंग से मिलने लगा।



500-2000 के नोट बंद हों, सिर्फ 100-200 के चलें

● सीएम चंद्रबाबू बोले- डिजिटल पेमेंट से भ्रष्टाचार रुकेगा ● देश में तीन बार नोटबंदी हो चुकी, पीएम को रिपोर्ट सौंपी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग 9 नवंबर को अमरावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई थी। यह बयान 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के अगले दिन आया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 19 मई 2023 को 2000 के नोट चलन से वापस लेने का फैसला किया था, लेकिन ये नोट अभी भी कानूनी रूप से वैध हैं। यानी इनसे लेन-देन किया जा सकता है। 8 नवंबर 2016 को 500 और 1,000 के पुराने नोट बंद किए गए थे।



स्थानीय चुनावों में एनडीए ने धनबल का असर कम किया

आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि नतीजे नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन को दिखाते हैं। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन ने चुनावों में धनबल के प्रभाव को कम करने में कामयाबी हासिल की है। सीएम की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकाय और परिषद चुनावों में एनडीए को 58.9 फीसदी वोट मिले। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले 55.3 फीसदी वोटों से 3.6 प्रतिशत अंक ज्यादा है। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का वोट शेयर 2024 के 39.81 फीसदी से घटकर स्थानीय निकाय चुनावों में 33.56 रह गया। इसमें 6.25 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। नायडू के मुताबिक, दोनों दलों के बीच वोट शेयर का अंतर 25.34 प्रतिशत अंक रहा। नायडू के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकायों में भी गठबंधन का प्रदर्शन मजबूत रहा।

एमपी में चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे'

72 हजार की सबसे ऊंची बोली लगी, पीछे छूटे अमिताभ, शाहरुख और मिथुन

भोपाल (एजेंसी)। मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में चंकी पांडे (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह गधा मेला लगता है।

इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई। चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी



जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां सौदेबाजी के लिए आते हैं। मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए। इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें चंकी पांडे नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपये में बिका। फिल्मी सितारों के नाम की वजह से भले ही मेले की तरफ लोगों को आकर्षण बढ़ जाता है, लेकिन खरीदार असल में काम की चीजों पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं। जानवर की नस्ल, कद-काठी, बनावट और ताकत ही उसकी कीमत तय करती है।

मुगलकाल से हो रहा मेले का आयोजन

माना जाता है कि यह मेला मुगल काल से चला आ रहा है। इसके पीछे एक स्थानीय कहानी है कि मुगल सेना के एक सैन्य अभियान के दौरान, उनके जानवरों की तबीयत खराब हो गई थी। कहा जाता है कि इसी घटना के बाद जानवरों की खरीद-बिक्री के लिए इस बाजार की शुरुआत हुई। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इसका भविष्य अब उतना पक्का नहीं है। आयोजकों का मानना है कि नई पीढ़ी के इससे दूर होने के कारण, इस मेले का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हो सकता है कि पुराना आकर्षण फीका पड़ रहा हो।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के

● दिल्ली-भोपाल में एक्यूआई 400 पार, तमिलनाडु में बारिश ● यूपी के 4 शहरों की हवा खराब, श्रीगंगानगर सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं। एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार सुबह 9.54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां एक्यूआई 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा सिर्फ पाकिस्तान का लाहौर शामिल था। लाहौर 430 एक्यूआई के साथ 14वें स्थान पर रहा। वहीं, दीवाली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में 6 बजे चांदनी चौक का एक्यूआई 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल, उज्जैन और हरियाणा के बहादुरगढ़ में खराब स्थिति रही।



● सुप्रीम कोर्ट ने 4 राज्यों से गाड़ियों के प्रदूषण पर जवाब मांगा- सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस पर तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकारों के साथ एनसीआर और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाली गाड़ियों की एंट्री और उनके चलने पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही, ऐसी गाड़ियों की पहचान और जांच की व्यवस्था की जानकारी भी मांगी है।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या, आरोपी पति समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रसाद नगर थाना पुलिस और मध्य जिला के वाहन चोरी निरोधक दस्ता की संयुक्त टीम ने 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या करने में शामिल आरोपित कुणाल उर्फ मुकरी और उसके साथी पीयूष उर्फ मेंटल को गिरफ्तार कर लिया है। कुणाल को शक था कि मृतक युवक का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है, जिससे दोस्त के साथ मिलकर कुणाल ने युवक की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। अब वह अपनी पत्नी की भी हत्या करने की साजिश रच रहा था लेकिन पुलिस ने समय रहते दोनों को दबोच कर एक और संभावित हत्या की वारदात को रोक लिया। डीसीपी मध्य जिला रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों में कुणाल, करोल बाग और पीयूष शाहपुरा तिलक नगर का रहने वाला है। कुणाल 2019 में करोलबाग थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के एक केस में शामिल रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और ठोस जांच के जरिए इस केस का पर्दाफाश किया। कुणाल की पत्नी की जान को खतरा देखते हुए पुलिसकर्मियों ने तिलक नगर स्थित उसके घर के आसपास 24 घंटे सादे कपड़ों में गुप्त निगरानी रखी और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की। कुणाल की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली गई है। चार नवंबर को प्रसाद नगर थाना पुलिस को करोलबाग के रहने वाले एक 19 वर्षीय युवक को चाकू मारे जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, जिससे वारदात में दो लोगों की संलिप्तता का सुराग मिला। तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के विश्लेषण से कुणाल और पीयूष की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि हत्या व्यक्तिगत रंजिश के कारण की गई। कुणाल के जेल में रहने के दौरान मृतक और कुणाल की पत्नी तीन महीने तक एक साथ रह रहे थे। इसी बात से नाराज होकर कुणाल ने बदला लेने की नीयत से अपने साथी के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। पुलिस को सूचना मिली कि कुणाल अपनी पत्नी की भी हत्या करने की भी योजना बना रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तिलक विहार, तिलक नगर स्थित उसकी पत्नी के आवास के आसपास 24 घंटे सादे कपड़ों में पैनी नजर रखी। जैसे ही दोनों तिलक विहार (तिलक नगर) में आए एडिशनल एसीपी शिवम कुमार के नेतृत्व में प्रसाद नगर के इंस्पेक्टर सुभाष, अनुज व संदीप डबास की टीम ने दोनों को दबोच लिया।

बुराड़ी में खाली प्लॉट में खून से लथपथ मिला महिला की शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक महिला की पत्थरों से बार-बार वार कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। करीब 37 वर्षीय महिला का शव मंगलवार सुबह वेस्ट कमल विहार स्थित एक पंप हाउस के पास खाली प्लॉट में खून से लथपथ मिला। शव मिलने की सूचना से इलाके में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला को सोमवार शाम तक इलाके में घूमते हुए देखा गया था। ऐसे में पुलिस सोमवार शाम से मंगलवार सुबह के बीच की घटनाओं की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला की किसी से रंजिश तो नहीं थी और वारदात को अंजाम देने वाला कोई परिचित था या नहीं। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच के रही है।

नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी से लोकतंत्र को खतरा : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोटबंदी के 10 वर्ष पूरे होने पर दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं करावल नगर के पूर्व जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में नोटबंदी से अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की आजीविका प्रभावित हुई थी, जबकि अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि 8 नवंबर 2016 को सरकार ने 500 और 1000 रुपये के नोट बंद कर दिए थे, जो उस समय प्रचलित नकदी का लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा थे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, करीब 99.3 प्रतिशत प्रतिबंधित मुद्रा बैंकों में वापस आ गई। उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी से छोटे व्यापारियों, असंगठित क्षेत्र और लघु उद्योगों को भारी नुकसान हुआ तथा रोजगार और उत्पादन प्रभावित हुए। भारद्वाज ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी बस्तियों और मुस्तफाबाद जैसे क्षेत्रों में निवासरत लोगों के नाम भी मतदाता सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची में हटाए गए नामों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने और पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। भारद्वाज ने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनेगी दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं घोंडा के पूर्व विधायक दत्त शर्मा ने दिल्ली में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार के प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आम परिवारों को बिजली बिल में राहत मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा के अनुसार, दिल्ली में एक लाख से अधिक लोगों का पंजीकरण योजना के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने प्रत्येक वार्ड में जागरूकता अभियान चलाकर पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाने की अपील की।

मिशन सफाई : नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस का अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर शिकंजा, 8 दिन में 2,349 उल्लंघन पर कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीड़भाड़-मुक्त सड़कों और सुरक्षित यात्रा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने 1 नवंबर से 8 नवंबर 2026 तक 'मिशन सफाई' के तहत विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इसमें सड़क किनारे अतिक्रमण, गलत पार्किंग और अन्य यातायात बाधाओं को निशाना बनाया गया। यह विशेष अभियान डीसीपी ट्रैफिक, नॉर्दर्न रेंज, डॉ. सचिन कुमार सिंघल, आईपीएस के निर्देश पर चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य खासकर त्योहारी सीजन के दौरान बिना रुकावट यातायात आवाजाही सुनिश्चित करना था। यातायात बाधाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने अवैध रूप से खड़े वाहनों, अनधिकृत सड़क किनारे विक्रेताओं और अन्य अतिक्रमणों के खिलाफ लगातार प्रवर्तन कार्रवाई की, जो यात्रियों और पैदल चलने वालों को परेशान करते हैं। 1 से 8 नवंबर के बीच गलत पार्किंग के लिए 1,772 चालान जारी किए गए, बाधा वाली जगहों से 272 ई-रिक्शा हटाए गए, अतिक्रमण वाले इलाकों से 238 रेहड़ी/पटरी हटाई गईं और गलत पार्किंग के लिए 67 वाहन टो किए गए। इस तरह कुल 2,349 उल्लंघनों/बाधाओं पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई नॉर्दर्न रेंज में मिशन सफाई के तहत की गई, जिससे सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त किया गया। कुल मिलाकर इन 8 दिनों में 2,349 उल्लंघनों/बाधाओं पर कार्रवाई की गई। इन ठोस प्रयासों का उद्देश्य सार्वजनिक सड़कों को वापस हासिल करना, पैदल चलने वालों के लिए बिना रुकावट रास्ता सुनिश्चित करना, यातायात की भीड़ को कम करना और सड़क अनुशासन को मजबूत करना है। नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने दोहराया कि सड़कें चलने के लिए हैं, अतिक्रमण या अनधिकृत पार्किंग के लिए नहीं। यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सार्वजनिक सड़कों को सभी के लिए सुलभ बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान लगातार तेज गति से जारी रहेंगे।



दिल्ली में यमुना पर पहली बार क्रूज सेवा शुरू, सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किमी की होगी यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को यहां यमुना नदी पर 'नमो यमुना रिवर सफारी' सेवा का शुभारंभ किया जिसके तहत सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किलोमीटर की राउंड ट्रिप में पर्यटक क्रूज यात्रा और विभिन्न मनोरंजन गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मंत्री प्रवेश वर्मा और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के बाद श्री सोनोवाल, श्रीमती गुप्ता और अन्य नेताओं ने यमुना नदी में क्रूज की सवारी भी की।

श्री सोनोवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मां यमुना के आशीर्वाद से दिल्ली में पहली बार इस तरह की पहल संभव हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पूरी टीम ने अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ मिलकर इस पहल को सफल बनाने में सहयोग किया है। सोनिया विहार से जगतपुर तक की यात्रा में दिल्ली आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक तीन से चार घंटे तक विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

परियोजना को साकार करने में मंत्रालय को मिले पूरे सहयोग के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व से ही यह काम पूरा हो पाया है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री ने पदभार संभालने के बाद देश के अंतर्देशीय जलमार्गों के अध्ययन और अनुसंधान की पहल की थी। पहले नदी क्रूज के लिए यूरोप और समुद्री क्रूज के लिए मियामी का उदाहरण दिया जाता था तथा यह धारणा थी कि भारत में ऐसी परियोजनाएं संभव नहीं हैं जबकि देश में गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदियां हैं। भारत ने दुनिया का सबसे लंबा नदी क्रूज पूरा कर वैश्विक मानक स्थापित किया है, जिसने 3,200 किलोमीटर की यात्रा में 27 नदी प्रणालियों को पार किया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना में शुरू हुई 'नमो यमुना सफारी' केवल क्रूज, सफारी या नौका यात्रा नहीं बल्कि मां यमुना के प्रति लोगों की गहरी आस्था, प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है। यह दिल्लीवासियों के लिए नया अनुभव है जिसके लिए पहले उन्हें दूसरे शहरों और नदियों तक जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि यहां लाइट एंड साउंड शो, मनोरंजन गतिविधियों तथा बच्चों और वयस्कों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना सफारी का आनंद लेने और अपने बच्चों को पवित्र यमुना तथा प्रकृति से परिचित कराने का आह्वान किया।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सहयोग से दिल्ली में यातायात की भीड़ कम करने के लिए एक लाख 25 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं लागू की गयी हैं। इसके तहत बड़े फ्लाईओवर बनाये गये हैं और नये एक्सप्रेसवे तैयार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 21 महीनों में पर्यावरण के क्षेत्र में भी काम किया है और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के साथ त्योहार मनाने के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में दिल्ली लगातार आगे बढ़ रही है। इस दौरान राज्य सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता यमुना रिवरफ्रंट का विकास करना है, जो पूरी नदी की सफाई के बाद ही संभव है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 18-19 महीनों में दिल्ली से गुजरने वाली यमुना की 52 किलोमीटर लंबी धारा के आधे हिस्से की सफाई की है।



गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर इस्कॉन मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश दक्षिण दिल्ली में पारंपरिक विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष शीश नवाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा भक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व मानवता को प्राकृतिक पर्यावरण के सम्मान एवं संरक्षण के अपने दायित्व का स्मरण कराता है तथा अपनी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है।

मंदिर प्रवास के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों एवं अन्नकूट उत्सव में भाग लिया, भगवान को अर्पित किए गए भव्य भोग के दर्शन किए तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं भक्तिमय अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ इस पावन अवसर के उत्सव में सहभागिता की। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे पर्व आस्था, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता के बंधनों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को करुणा, सद्भाव और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने इस्कॉन कम्युनिकेशंस के निदेशक बृज नंदन दास को दिल्ली विधानसभा की आधिकारिक पत्रिका 'विधान चेतना' भेंट की। यह पहल आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ विधानसभा के विधायी, सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान को साझा करने के महत्व को दर्शाती है।



अध्यक्ष ने मंदिर के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं से भी संवाद किया तथा आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण और भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर समस्त दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी समाज को धर्म, कर्तव्य, भक्ति और सामूहिक कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं तथा उनकी प्रासंगिकता युगों-युगों से बनी हुई है।

शिक्षाविद् बलबीर सिंह सैनी के निधन से हरिद्वार में शोक, राज्य मंत्री सुनील सैनी ने खोया पिता का साया

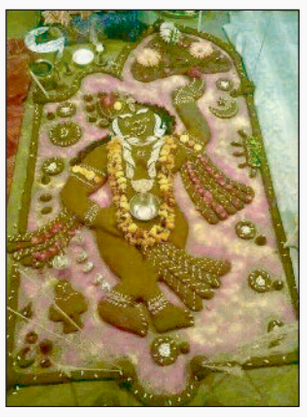
हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री सुनील सैनी के पिता एवं हरिद्वार के प्रतिष्ठित समाजसेवी, शिक्षाविद् और सैनी समाज के प्रमुख व्यक्तित्व बलबीर सिंह सैनी का 87 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से हरिद्वार सहित पूरे सैनी समाज में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।



बलबीर सिंह सैनी शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान और सामाजिक कार्यों के लिए विशेष पहचान रखते थे। वे कुंती नमन कॉलेज के संस्थापक थे। उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार को अपने जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बनाया और अनेक विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने में योगदान दिया। शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दूरदर्शी सोच ने उन्हें क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाई। वे शिक्षा के क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी लगातार जुड़े रहे। समाज के उत्थान, जनसेवा और सैनी समाज के हितों के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन को हरिद्वार के सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति माना जा रहा है। उनके जाने से परिवार, शुभचिंतकों, शिक्षा जगत और विभिन्न सामाजिक संगठनों में शोक व्याप्त है।

धर्मनगरी हरिद्वार में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गोवर्धन पूजा पर्व, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

हरिद्वार (शिखर समाचार)। धर्मनगरी हरिद्वार में गोवर्धन पूजा का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों, आश्रमों और अखाड़ों में भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने गोवर्धन भगवान की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पर्व के उल्लास के बीच लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर गोवर्धन पूजा और भैयादूज की शुभकामनाएं भी दीं।



गोवर्धन पूजा के अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर, नगर निगम की महापौर किरण जैसल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा सहित उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और मदन कौशिक ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा एवं भैयादूज की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अपने शुभकामना संदेशों में सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और उन्नति की कामना की। पर्व के अवसर पर धर्मनगरी में धार्मिक और उत्सवी माहौल बना रहा।

सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 15 लाख से अधिक राशन कार्डधारक परिवारों को दीपावली के मौके पर भेजी बैंक खाते में 141.88 करोड़ की राशि

नई दिल्ली, एजेंसी।

दीपावली के मौके पर मंगलवार को दिल्ली सरकार ने 15 लाख से अधिक परिवारों को मुफ्त सिलेंडर की राशि उनके बैंक खाते में भेजी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राशन कार्डधारक परिवारों को यह आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे सहायता राशि भेजी। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा आदि मौजूद रहे।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार अपने घोषित संकल्पों को पूरा करने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर आर्थिक सहायता देने की योजना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। सरकार का प्रयास है कि त्योहारों के अवसर पर परिवारों को आर्थिक सहयोग मिले और घरेलू खर्च का बोझ कम हो। सहायता राशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित करने से लाभार्थियों तक आर्थिक सहयोग पहुंचाने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनती है।

जानकारी के अनुसार सरकार ने राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर एलपीजी सिलेंडर के लिए आर्थिक सहायता देने की योजना बनाई थी। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष दीपावली के अवसर पर दिल्ली के 15,45,994 परिवारों के बैंक खातों में कुल 141.88 करोड़ रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। इनमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 1,24,964 परिवार और नॉन पीएमयूवाई श्रेणी के 14,21,030 परिवार शामिल हैं। इनमें पीएमयूवाई श्रेणी के प्रत्येक परिवार को 642 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। वहीं नॉन पीएमयूवाई श्रेणी के प्रत्येक परिवार को 942 रुपये की सहायता राशि दी गई।

माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना लक्ष्य : सिरसा

दिल्ली के खाद्य-आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली की माताओं-बहनों से किए गए संकल्प को पूरा करते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे पहले होली के अवसर पर भी पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ दिया गया था। हमारा उद्देश्य केवल त्योहारों पर आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महंगाई के इस दौर में परिवारों के घरेलू खर्च को कम करने का साथ माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना है।

दिल्ली में आगामी सीजन में लगेंगे तीन लाख ट्यूलिप, नेहरू पार्क में बनेगा ट्यूलिप गार्डन

-एनडीएमसी आयातित बल्बों पर निर्भरता घटाने की तैयारी में, पिछले सीजन में 40 हजार बल्ब किए गए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के पार्क और सार्वजनिक स्थल आगामी वसंत में तीन लाख ट्यूलिप के फूलों से गुलजार होंगे। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने क्षेत्र में आगामी सीजन में तीन लाख आयातित ट्यूलिप बल्ब लगाएगी। वहीं, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के क्षेत्र में भी 1.67 लाख ट्यूलिप लगाए जाने की योजना है। एनडीएमसी इस साल नेहरू पार्क में एक विशेष ट्यूलिप गार्डन भी विकसित करेगी।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को लोधी गार्डन स्थित एनडीएमसी की हाईटेक नर्सरी का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने ट्यूलिप ग्रोथ-कम-स्टोरेज चैंबर, कम्पोस्टिंग सुविधा, कैक्टस हाउस और बागवानी में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक मशीनों का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्यूलिप की स्थानीय स्तर पर खेती की क्षमता विकसित करने और आयातित बल्बों पर निर्भरता कम करने के एनडीएमसी के प्रयासों की सराहना की।

स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप बल्ब तैयार करने की पहल

एनडीएमसी ने वर्ष 2022 में स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप उगाने की पहल शुरू की थी। पिछले सीजन में करीब 40 हजार ट्यूलिप बल्ब तैयार किए गए। इनमें से लगभग 24 हजार बल्ब आगामी सीजन में फूलों के लिए लगाए जाएंगे, जबकि शेष का इस्तेमाल ग्रोथ चैंबर में बल्बों का आकार बढ़ाने के प्रयोग में होगा। हालांकि, आगामी सीजन के लिए एनडीएमसी और डीडीए क्षेत्रों में कुल 4.67 लाख बल्ब खरीदने की योजना है। इनमें तीन लाख एनडीएमसी और 1.67 लाख डीडीए क्षेत्र के लिए होंगे। एनडीएमसी आम लोगों को गमलों में ट्यूलिप लगाने के लिए भी उपलब्ध कराएगी।

हर साल तैयार होंगे 80 हजार पौधे

करीब 300 वर्ग मीटर में फैली हाईटेक नर्सरी में एक चक्र में 18 से 20 हजार पौधे तैयार किए जा सकते हैं। साल में चार उत्पादन चक्रों के हिसाब से यहां करीब 80 हजार पौधे तैयार करने की क्षमता है। कैक्टस हाउस में कैक्टस और सक्यूलेंट्स की करीब 400 प्रजातियों के नमूने हैं।



पेड़ों के उपचार में ट्री एंबुलेंस की भूमिका

उपराज्यपाल ने बीमार और पुराने पेड़ों के उपचार के लिए इस्तेमाल की जा रही ट्री एंबुलेंस का भी निरीक्षण किया। इसमें हाई प्रेशर जेटिंग मशीन और पेड़ों की छंटाई व उपचार के लिए विशेष उपकरण उपलब्ध हैं। यह खोखले तनों वाले पेड़ों की ट्री सर्जरी करने में भी सक्षम है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए घर-घर दस्तक देंगे बीएलओ, 18 साल के युवाओं पर भी रहेगा विशेष ध्यान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद में मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे और 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे नागरिकों का विवरण जुटाएंगे, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है।

भारत निर्वाचन आयोग से अनुमोदित नई सूची के अनुसार जनपद में कुल 865 मतदान केंद्र और 3,073 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। इनमें लोनी विधानसभा क्षेत्र में 146 मतदान केंद्र और 540 मतदेय स्थल, मुरादनगर में 155 और 504, साहिबाबाद में 270 और 1,033, गाजियाबाद में 130 और 489, मोदीनगर में 121 और 382 तथा धौलाना विधानसभा के आंशिक क्षेत्र में 43 मतदान केंद्र और 125 मतदेय स्थल शामिल हैं। निर्वाचन कार्यों के लिए पांच निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 26 सहायक निर्वाचक



रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 865 पर्यवेक्षक और 3,073 बूथ स्तर के अधिकारी तैनात किए गए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक बीएलओ को 350 घरों के सत्यापन का लक्ष्य दिया गया है। अधिकारी परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर, पता और परिवार के 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सदस्यों की जानकारी जुटाएंगे। जिन पात्र नागरिकों का नाम सूची में नहीं मिलेगा, उनका प्रारूप-6 भरवाकर पंजीकरण कराया जाएगा। वहीं, दूसरे स्थान अथवा राज्य की मतदाता सूची से नाम गाजियाबाद स्थानांतरित कराने के लिए प्रारूप-8 भरवाया जाएगा।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, राशन विक्रेताओं और आवासीय कल्याण समितियों को भी अभियान में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कर्मचारियों, विद्यार्थियों, राशन कार्डधारकों और उनके परिवारों के पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हो सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने नागरिकों से अपील की कि वे मतदाता सेवा पोर्टल, वोटर हेल्पलाइन ऐप और ईसीआईनेट ऐप के माध्यम से अपना नाम जांचें। नाम दर्ज नहीं होने पर ऑनलाइन अथवा बीएलओ के माध्यम से प्रारूप-6 भरकर आवेदन करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रत्येक पात्र नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसका लाभ उठाने के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज होना आवश्यक है।

कान्हा गौशाला में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गोवर्धन पर्व, भगवान को लगाया 56 व्यंजनों का भोग



बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे की बड़कता रोड स्थित कान्हा गौशाला में नगर पंचायत की ओर से सामूहिक गोवर्धन पूजा का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर गोसेवा की और भगवान श्रीकृष्ण से सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नगर पंचायत कर्मचारियों ने गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत और गाय की आकृतियां बनाकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। पंडित विवेकमणि शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के पकवानों के साथ 56 व्यंजनों का अन्नकूट भोग अर्पित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा त्यागी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्व के माध्यम से गोकुलवासियों को प्रकृति और गोवंश के संरक्षण का संदेश दिया था। उन्होंने भारी वर्षा से ग्रामीणों की रक्षा के लिए अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाया था। अध्यक्ष पति एवं सपा नेता सुबोध त्यागी ने नगरवासियों के साथ गोसेवा करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को गोवंश और पर्यावरण के महत्व को समझना चाहिए तथा इनके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सपा जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन, पूर्व बार अध्यक्ष विनोद त्यागी, राजेश संगल, टीटू शर्मा, अंकुर त्यागी, सतीश पंवार, अभिनव त्यागी और राजू पांचाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शादी का दबाव बना रही युवती की गला घोंटकर हत्या, दो महीने बाद आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर थाना क्षेत्र में युवती राखी की हत्या के मामले का पुलिस ने करीब दो महीने बाद खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने शादी का दबाव बनाए जाने से परेशान होकर युवती की हत्या की थी। उसकी निशानदेही पर जंगल से मृतका की अस्थियां और घटनास्थल से कपड़े, चप्पल, दुपट्टा व पायल बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक ग्राम कुतुबपुर गांवड़ी निवासी रेखा देवी ने आठ नवंबर को अपनी पुत्री राखी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने विकास पुत्र शीशराम निवासी ग्राम गंधौर, थाना हीमपुर दीपा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष से उसकी राखी से जान-पहचान और संबंध थे। बाद में राखी उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी तथा इनकार



करने पर मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी।

पुलिस के अनुसार 28 सितंबर को आरोपी राखी को मिलने के बहाने अपने साथ ग्राम बवनपुरा के पास नहर की पटरी स्थित जंगल में ले गया। वहां विवाद होने पर उसने राखी की चुन्नी से गला घोंट दिया और चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव झाड़ियों में छिपा दिया तथा चाकू और मोबाइल फोन नहर में फेंक दिए। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने जंगल से मृतका की अस्थियां, दुपट्टा, चप्पल, फटी हुई गुलाबी फ्रॉक, अंतःवस्त्र और एक पायल बरामद की है। घटनास्थल से शराब का खाली पाउच और शीतल पेय की बोतल भी मिली है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध हत्या और साक्ष्य मिटाने से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की समीक्षा बैठक

हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जनपद के मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चुनाव की तैयारियों के संबंध में सुझाव प्राप्त किए। इस दौरान आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से अनुपालन, नामांकन प्रक्रिया, मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं, मतदाता सूची के शुद्धिकरण तथा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने जैसे विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चुनाव प्रक्रिया



के दौरान आदर्श आचार संहिता का पूर्णतः पालन करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराना प्रशासनिक तंत्र की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, रैंप, बिजली और छाया जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था समय रहते पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि मतदान के दिन मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बाबा अमरनाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 11 कन्याओं को कराया प्रसाद ग्रहण



सहारनपुर (शिखर समाचार)। शास्त्री नगर स्थित बाबा अमरनाथ मंदिर परिसर में दीपोत्सव के उपरांत अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गुप्ता के निर्देशन में आयोजित महोत्सव में धार्मिक उल्लास का वातावरण रहा। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों और श्रद्धालुओं ने जमीन पर बैठकर सामूहिक भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ मंदिर के पुजारी पंडित अनुज पांडे ने शंख ध्वनि और मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर किया। इसके बाद मंदिर परिसर में विराजमान सभी देवी-देवताओं को अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत 11 कन्याओं को प्रसाद और दक्षिणा भेंट कर सम्मानित किया गया। मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रसाद वितरण की व्यवस्था में पुनीत नारंग, वंश शर्मा, पीयूष प्रताप, तुषार शर्मा और रवींद्र कुमार सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया। इस अवसर पर समिति सचिव विजय खुराना, कोषाध्यक्ष विजय शंकर शर्मा, संरक्षक अरुण कुमार जिंदल, विजय कपूर, वेद प्रकाश तायल, अभिषेक पांडे, सत्येंद्र मलिक, विजयपाल सिंह, प्रोफेसर संदीप गुप्ता, सुनील नारंग, गुलशन ठक्कर, तजेंद्र कोशल, अनुज पुंडीर, सतीश प्रजापति, कृष्णा ज्वेलर्स, डॉ. हरदेव सैनी, डॉ. सौरभ खुराना, विपिन कुमार और अंकित ढोंडियाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समिति सचिव विजय खुराना ने किया।

मेरठ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो वांछित आरोपियों पर 50-50 हजार का इनाम

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उप महानिरीक्षक ने दो वांछित आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है। दोनों आरोपी अलग-अलग थानों में दर्ज मुकदमों में वांछित चल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से प्रयास तेज किए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, थाना जानी में गैंगस्टर अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे में वांछित फुरकान उर्फ शेख चिल्ली पुत्र इस्तियाक निवासी सिवाल खास, थाना जानी, जनपद मेरठ तथा थाना मेडिकल में दर्ज मुकदमे में वांछित संदीप कुमार पुत्र रज्जू जाटव निवासी जागीरपुर अब्दुल्लापुर, थाना भावनपुर, जनपद मेरठ पर यह इनाम घोषित किया गया है। जनपदीय पुलिस की संस्तुति पर पुलिस उप महानिरीक्षक, मेरठ परिक्षेत्र ने दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 50-50 हजार



रुपये का पुरस्कार निर्धारित किया है।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, फुरकान उर्फ शेख चिल्ली के विरुद्ध मेरठ जनपद के विभिन्न थानों में 15 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि संदीप कुमार के खिलाफ नौ मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को वांछित और फरार इनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान तेज करने, नए इनाम घोषित कराने तथा अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

चौपला मंदिर के पास दुकान में लगी आग, अग्निशमन टीम ने सिलेंडरों को बाहर निकाल टाला बड़ा हादसा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत चौपला मंदिर, डासना गेट के समीप स्थित एक दुकान में देर रात अचानक आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर तत्परता दिखाई और दुकान में रखे गैस सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकालते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि करीब 00:08 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को सूचना मिली कि डासना गेट के पास एक बंद दुकान में आग लग गई है। सूचना पर अग्निशमन अधिकारी दो फायर टेंडरों के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर मुकेश गर्ग की धोने-पत्तल के भंडारण वाली बंद दुकान के अंदर से आग की लपटें उठ रही थीं। दुकान के आसपास मिठाई सहित अन्य कई दुकानें स्थित थीं, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ था।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए अग्निशमन अधिकारी के कुशल नेतृत्व में तुरंत दुकान का ताला तुड़वाया गया। दुकान के भीतर रखे



गैस सिलेंडरों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित बाहर निकाला गया ताकि किसी भी संभावित विस्फोट से बचा जा सके। इसके बाद अग्निशमन कर्मियों ने पंपिंग शुरू कर होज पाइप की मदद से पानी की बौछारें डालकर कुछ ही समय में आग को पूर्ण रूप से शांत कर दिया। अग्निशमन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से आग को पड़ोसी दुकानों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे आसपास की तमाम दुकानें और संपत्ति सुरक्षित बच गईं। घटना के समय स्थानीय पुलिस और बड़ी संख्या में नागरिक भी मौके पर मौजूद रहे। अग्निशमन कर्मियों की इस सूझबूझ, अदम्य साहस और तत्परता की स्थानीय नागरिकों तथा पुलिस प्रशासन द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

गोवर्धन पूजा पर शिव मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, श्री राधे सेवा मंडल ट्रस्ट ने कराया विशाल भंडारा



रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर में गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर श्री राधे सेवा मंडल ट्रस्ट की ओर से मोहल्ला बाजार कलां स्थित शिव मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और पुण्य लाभ कमाया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्रद्धालुओं को हलवा और कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया। भंडारे की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिव मंदिर पहुंचे। विशेष बात यह रही कि अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण करने से पहले सेवा कार्य में भी सहयोग किया और ट्रस्ट के सदस्यों के साथ मिलकर प्रसाद वितरण की व्यवस्था संभाली। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिभाव और सेवा का वातावरण बना रहा। ट्रस्ट के सदस्यों ने श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया। हजारों लोगों की सहभागिता से भंडारा धार्मिक एकता, सामाजिक सहयोग और सेवा भावना का उदाहरण बना।

1086 साल की गौरवशाली विरासत का उत्सव बना कनियान, मेधावी विद्यार्थियों और प्रतिभाओं को किया सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। पौरिया खाप के ऐतिहासिक गांव कनियान में 1086वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इतिहास, संस्कृति और परंपराओं की अनमोल विरासत को समर्पित समारोह में अनेक नामचीन हस्तियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल ने गांव के गौरवशाली इतिहास को नमन करते हुए पूर्वजों के योगदान को याद किया और सामाजिक एकता, भाईचारे तथा ग्रामीण विकास का संदेश दिया।

मोहित बेनीवाल ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि पौरिया खाप जैसी सामाजिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता की आधारशिला हैं। इन परंपराओं ने सदियों से समाज को जोड़ने और आपसी सहयोग एवं भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गांव केवल रहने का स्थान



नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार, इतिहास और सामूहिक पहचान के केंद्र होते हैं। कनियान की 1086 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पूर्वजों के संघर्ष, त्याग और योगदान की गौरवशाली प्रतीक है।

समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं और प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। मोहित बेनीवाल ने कहा कि शिक्षित और संस्कारित युवा ही समाज तथा राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। युवाओं की प्रतिभा को सम्मान और प्रोत्साहन देने से उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर गांव के संस्थापक रतन सिंह पौरिया सहित पूर्वजों के योगदान को भी याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन लोकेंद्र ने किया। समारोह में पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, जिला पंचायत सदस्य अरविंद पंवार, अश्विनी पंवार, एलम नगर पंचायत अध्यक्ष कपिल पंवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण मौजूद रहे।

गोवर्धन पूजा पर शामली के मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, जगह-जगह सजे अन्नकूट भंडारे

शामली (शिखर समाचार)। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर मंगलवार को शामली शहर सहित जिलेभर के मंदिरों में श्रद्धा और उल्लास के साथ अन्नकूट भंडारों का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना और गोपूजन के बाद अन्नकूट का छप्पन भोग अर्पित किया गया। कई स्थानों पर कन्याओं को भोजन कराकर भंडारों का शुभारंभ किया गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शहर के रेशमी कटहरा स्थित गंगा मंदिर में आयोजित अन्नकूट भंडारे का शुभारंभ कन्याओं को भोजन कराकर किया गया। मुख्य अतिथि वार्ड सभासद रोबिन गर्ग पत्नी मालिनी गर्ग के साथ पहुंचे। यहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर शौर्य, गोलू, रक्षित, भूमिक, आदित्य, सत्यांश, दक्ष, अंश, विशाल, प्रियांश, मृदुल, मांगेराम शर्मा, अनुराग, हर्षित, देवांश और मोहित मौजूद रहे। मोहल्ला पंसारियान स्थित गढ़मुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर में भी पुजारी द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद अन्नकूट प्रसाद वितरित किया गया। पुरानी सब्जी मंडी स्थित अट्ठेवाला देवी मंदिर में पंडित शिवम शर्मा ने पूजा कराई। यहां सागर गर्ग, पंडित प्रदीप शर्मा, आकाश गर्ग, हिमांशु, विनीत



नामदेव, शिवम गर्ग, अमन गर्ग, अजय गुप्ता और सौरभ गुप्ता सहित अनेक लोग मौजूद रहे। बड़ी माता मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव विजय कौशिक ने भंडारे का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुकेश गोयल, देवानंद गौड़, नीरज संगल और राजू त्यागी मौजूद रहे। मोहल्ला बड़ीआल स्थित शिव मंदिर में भी भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यहां रजत निर्वाल, सुभाषचंद गर्ग, श्रीपाल गोयल, प्रवीन निर्वाल, सजल गर्ग, सुधीर निर्वाल, रोहित निर्वाल, अक्षय निर्वाल, शिवम और देवाशीष उपस्थित रहे। वहीं कस्बा बनत स्थित वृहद गौशाला में भी गोवर्धन पूजा की गई। इस दौरान गौशाला संचालक दिनेश कुमार तथा नगर पंचायत से ओम सिंह और दीपेंद्र कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

Ghaziabad Development Authority
VIKAS PATH, GHAZIABAD
(ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015 certified organization)

पत्रांक– 1621/4/E.E. Zone- 3/2026–27 दिनांक– 10/11/2026

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
For
Interior works of proposed office building at Madhuban Bapudham Yojna, Ghaziabad. U.P.

Details of RFP can be downloaded from the website https://etender.up.nic.in/ from date 13.11.2026

Bid Start Date	-	13.11.2026
Pre-Bid Meeting	-	25.11.2026 time 12:00
Bid Submission End date	-	05.12.2026
Bid Opening Date	-	07.12.2026
Tender Fees	-	Rs.18,054.00 (on https://gdaghz.procure 247. com/ Tender Pay/x-login.)
EMD Fee:	-	Rs. 101.48 Lakhs (on https://gdaghz.procure247.com/TenderPay/x-login.)

Further enquiry can be made from Executive Engineer (EE Zone-3) on mobile no 7290046784 during office hours (10:00 AM To 5:00 PM).

Chief Engineer

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, @Gda Ghaziabad : gdagzb
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384 व्हाट्सएप :9990988004,वेबसाईट : www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर ..... हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

दीपक की लौ से मकान में लगी आग, बेड-फ्रिज समेत लाखों रुपये का सामान जला

पीलीभीत। पीलीभीत में दीपक की लौ से पर्दे में आग लगी और देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। घर से धुआं और आग की लपटें उठती देख परिवार में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में बेड, फ्रिज समेत घर का अधिकांश घरेलू सामान जलकर राख हो गया। परिजनों ने लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई है। शहर कोतवाली क्षेत्र के संजय रॉयल पार्क निवासी नवेंद्रू जैन के मकान की पहली मंजिल पर विजय कुमार परिवार के साथ किराये पर रहते हैं। सोमवार रात करीब आठ बजे परिवार के लोगों ने कमरे में दीपक जलाया था। इसके बाद सभी लोग दूसरी मंजिल पर चले गए। इसी दौरान दीपक की लौ पर्दे तक पहुंच गई। पर्दे ने आग पकड़ ली और कुछ ही देर में आग कमरे से फैलकर पूरे घर में पहुंच गई। मकान से धुआं और आग की लपटें उठती देख परिवार के लोग नीचे पहुंचे और शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। तब तक घर में रखा बेड, फ्रिज और अन्य घरेलू सामान आग की भेंट चढ़ चुका था। सीओ सिटी अमरनाथ वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दीपक की लौ से पर्दे में आग लगने की बात सामने आई है। दमकल टीम ने आग बुझा दी। मामले की जांच की जा रही है।

दो दिन में झुलसने के 100 से अधिक मामले, हैलट और उर्सला की बर्न यूनिट फुल, डॉक्टरों ने दी ये सलाह

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में पिछले दो दिनों के दौरान आग से झुलसने (बर्न) के मामलों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है। शहर के प्रमुख अस्पतालों में दो दिन के भीतर 100 से अधिक गंभीर और हल्के मामले पहुंच चुके हैं, जिसके चलते उर्सला और हैलट अस्पताल की बर्न यूनिट पूरी तरह फुल हो चुकी है। गंभीर रूप से झुलसे करीब 40 प्रतिशत मरीजों की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के उच्च स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रेफर करना पड़ा है। हैलट, उर्सला के अलावा कांशीराम अस्पताल, केपीएम और अन्य स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों पर भी लगातार झुलसे हुए मरीज पहुंच रहे हैं। तीसरे दिन भी मरीजों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। डॉक्टरों ने लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है।

दिवाली पर कैश का संकट, तीन दिन से एटीएम खाली; नकदी के लिए भटक रहे लोग

आगरा, एजेंसी। रोशनी के पर्व दिवाली पर शहरवासियों को नकदी की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। तीन दिनों से शहर के अधिकांश एटीएम खाली हैं। बैंक में छुट्टी और एटीएम में नकदी डालने वाली एजेंसियों की लापरवाही से व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को भी खासी दिक्कत हो रही है। शहर में 20 से अधिक सरकारी और निजी बैंकों की 400 से ज्यादा शाखाएं संचालित हैं। 20 लाख से अधिक खाताधारकों की सहूलियत के लिए 300 से अधिक एटीएम लगाए गए हैं। इसके बावजूद त्योहार में नकदी का संकट खड़ा होना बैंक प्रबंधन और आउटसोर्स एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम के चक्कर काटने को मजबूर रहे। व्यापार मंडल अध्यक्ष टीएन अग्रवाल का कहना है कि त्योहार पर ऑनलाइन पेमेंट में सर्वर की समस्या के चलते नकदी ही मुख्य जरिया होती है लेकिन एटीएम से निराशा हाथ लगी।

100 रुपये से शुरू करें जीवन बीमा, मिलेगा 10 गुना सुरक्षा कवर

आगरा, एजेंसी। डाक विभाग की जीवन बीमा योजना का लाभ शहर से गांव तक सबको मिलेगा। सिर्फ भविष्य का वित्तीय जोखिम सुरक्षित नहीं होगा बल्कि मात्र 100 रुपये के न्यूनतम वार्षिक निवेश पर 10 गुना तक सुरक्षा कवर और आयकर की धारा 80 सी के तहत टैक्स में छूट भी मिलेगी। इस योजना का लाभ 18 से 55 वर्ष की आयु वर्ग के लोग उठा सकते हैं। आगरा परिक्षेत्र के सहायक निदेशक एसके जैन ने बताया कि ग्रामीण निवासियों और ग्रामीण डाक सेवकों के लिए उपलब्ध ग्रामीण डाक जीवन बीमा में 100 रुपये का न्यूनतम वार्षिक प्रीमियम और 15 वर्ष की परिपक्वता अवधि तय की गई है। वहीं, बचत-सह-बीमा योजना के तहत 1,000 रुपये का न्यूनतम वार्षिक प्रीमियम और 16 वर्ष की परिपक्वता अवधि रखी गई है। इन दोनों योजनाओं में अधिकतम बीमा राशि की कोई ऊपरी सीमा नहीं है। प्रवर डाकपाल देवेंद्र कुमार ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों में बचत की आदत डालकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

भरे नहीं बाढ़ से मिले सड़कों के जख्म, हादसे का खतरा

आगरा, एजेंसी। बाह। पिछले साल आई बाढ़ में बटेश्वर के मंदिर मार्ग को पशु मेले से जोड़ने वाले रास्ते की पुलिया ध्वस्त हो गई थी। रास्ते पर मिट्टी डलवाई गई है लेकिन पुलिया की मरम्मत नहीं हो सकी। मार्ग के किनारे गहरी खाई होने की वजह से हादसे का खतरा बना हुआ है। बटेश्वर के प्रवेश द्वार से 20 गज की दूरी पर पशु मेला क्षेत्र के रास्ते का मोड़ है। सोमवार सुबह 10 बजे मोड़ पर बाढ़ में क्षतिग्रस्त पुलिया जस की तस मिली। रास्ते पर मिट्टी जरूर भरा दी गई है, जिससे पशु मेला क्षेत्र के वाहन एवं मवेशी के साथ व्यापारी किसान आवाजाही करते मिले। राजाखेड़ा के नेमीचंद, बसई के राजकुमार ने बताया कि पुलिया के कटान पर वाहनों के फंसने एवं पलटने का खतरा बना हुआ है। सोमवती अमावस्या पर स्नान के लिए पहुंचे जरार के सुनील, लक्ष्मी आदि ने बताया कि लोक मेले में पुलिया के एक छोर पर मनोरंजन का साधन झूला लगाया गया है।

यूपी में कोहरे के साथ ठंड ने दी दस्तक

सुबह-शाम ठिठुरन शुरू; जानें अगले पांच दिन तक का पूर्वानुमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नवंबर के दूसरे सप्ताह की शुरुआत के साथ ही मौसम अब धीरे-धीरे सर्दियों की ओर बढ़ रहा है। सुबह और शाम की हवा में ठंडक बढ़ने लगी है तो रात का तापमान भी लगातार नीचे खिसक रहा है। सुबह कई जिलों में कोहरे की हल्की चादर दिखाई दे रही है, जबकि दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने से मौसम सुहाना बना हुआ है।

सोमवार सुबह पश्चिमी तराई, अवध और पूर्वांचल के कई जिलों में कोहरा छाया रहा। कुछ स्थानों पर इसकी सघनता इतनी अधिक रही कि दृश्यता काफी कम हो गई। वाराणसी में घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य तक पहुंच गई, जबकि बरेली में यह महज 100 मीटर दर्ज की गई। राजधानी लखनऊ में भी सुबह दृश्यता घटकर 300 मीटर रह गई।



10 जिलों में 15 डिग्री के आसपास पहुंचा रात का पारा

रात के तापमान में गिरावट से ठंड का असर बढ़ने लगा है। रविवार और सोमवार के बीच प्रदेश के करीब 10 जिलों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। हरदोई में पारा गिरकर 14.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

रात के समय तापमान में आ रही गिरावट के चलते सुबह और देर शाम हल्की ठिठुरन महसूस होने लगी है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से फिलहाल राहत बनी हुई है। अधिकतम तापमान की बात करें तो सोनभद्र में 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले तीन दिन सुबह कोहरे और धुंध के आसार

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, प्रदेश में फिलहाल कोई प्रभावी मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है। वायुमंडलीय स्थिरता के कारण अगले दो से तीन दिनों तक सुबह हल्के से मध्यम कोहरे और दिन में धुंध का असर बने रहने की संभावना है। अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, सुबह के समय कोहरा छाने के बाद दिन चढ़ने के साथ इसके छंटने और धूप निकलने के आसार हैं। इस दौरान तापमान में भी मामूली गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक प्रदेश में कहीं भी बारिश की संभावना नहीं जताई है।

सराफा दुकान में चोरी की कोशिश, छत से कूदा चोर, खींचतान में व्यापारी भी गिरा, दोनों के पैर टूटे

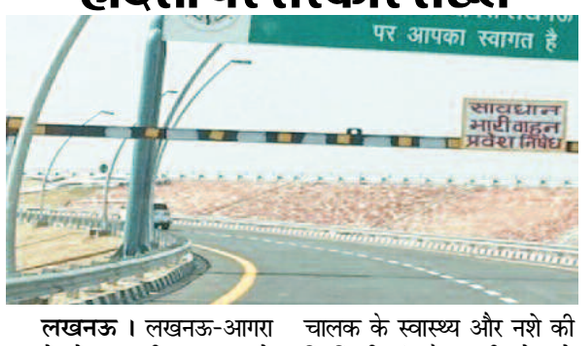
पीलीभीत । पीलीभीत के बरखेड़ा कस्बे के ब्लॉक तिराहे पर सोमवार रात सराफा दुकान में चोरी की कोशिश की गई। दुकान की छत पर दो बदमाशों के छिपे होने की जानकारी मिलने पर पहुंचे व्यापारी ने एक को पकड़ लिया। इस पर आरोपी ने छत से छलांग लगा दी। इस दौरान हुई खींचतान में व्यापारी भी छत से नीचे गिर गए। हादसे में चोर और व्यापारी दोनों के पैर टूट गए। पुलिस ने घायल आरोपी को अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। व्यापारी का भी उपचार चल रहा है।

ग्राम पतरसिया निवासी रजनीश की ब्लॉक तिराहे पर सोने-चांदी की दुकान है। सोमवार रात करीब नौ बजे दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। इस बीच आसपास के दुकानदारों ने फोन कर बताया कि उनकी दुकान की छत पर दो संदिग्ध युवक मौजूद हैं। सूचना मिलते ही रजनीश मौके पर पहुंचे और छत पर जाकर देखा तो दोनों युवक वहां छिपे मिले। व्यापारी को सामने देखकर दोनों भागने लगे। एक आरोपी पीछे के रास्ते से फरार हो गया, जबकि दूसरे को रजनीश ने दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोपी ने छत से नीचे छलांग लगा दी। इसी दौरान हुई खींचतान में व्यापारी का संतुलन बिगड़ गया और वह भी नीचे गिर पड़े।

ऊंचाई से गिरने के कारण आरोपी के दाहिने पैर की हड्डी टूट गई, जबकि व्यापारी का बायां पैर फ्रैक्चर हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ा ले गई। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घायल आरोपी की पहचान छोटा उर्फ अजीज निवासी ग्यासपुर, पीलीभीत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसके खिलाफ पहले से चोरी समेत कई मुकदमे दर्ज हैं।

अब एक्सप्रेसवे पर चलने से पहले होगी चालकों की जांच

बिना फिटनेस नहीं मिलेगी एंट्री; हादसों पर सरकार सख्त



लखनऊ । लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण बस हादसे के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे पर अब वाहन चालकों की जांच अनिवार्य करने की तैयारी है। एक्सप्रेसवे पर वाहन लेकर जाने से पहले चालक का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। साथ ही यह भी जांच होगी कि चालक ने किसी मादक पदार्थ का सेवन तो नहीं किया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों को पत्र भेजकर जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, परिवहन आयुक्त, यूपीसीडा के सीईओ और रोडवेज के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजा है।

निर्देशों के मुताबिक, एक्सप्रेसवे पर प्रवेश से पहले वाहन चालकों की फिटनेस जांच सुनिश्चित की जाएगी। चालक के स्वास्थ्य और नशे की स्थिति की जांच के बाद ही उसे आगे जाने की अनुमति देने की व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है।

सरकार ने एक्सप्रेसवे पर निर्धारित गति सीमा का सख्ती से पालन कराने के भी निर्देश दिए हैं। तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को नियमों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है। गौरतलब है कि कल आगरा एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर भीषण बस हादसा हुआ था। इस घटना के बाद सड़क सुरक्षा और वाहन चालकों की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठे। अब सरकार ने प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे पर चालकों की फिटनेस, नशे की जांच और निर्धारित गति सीमा के पालन को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं।

वकील के घर में पटाखा फेंका, विरोध पर परिवार को पीटा

बरेली , एजेंसी। आजम नगर में वरिष्ठ अधिवक्ता और आरटीआई कार्यकर्ता खालिद जिलानी और उनके परिवार को लाठी-डंडों से पीटा गया। यह घटना तब हुई जब जिलानी ने अपने घर में पटाखा फेंकने का विरोध किया। उन्होंने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश का आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

खालिद जिलानी ने कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि रविवार रात करीब 12 बजे उनके घर में पटाखे की आवाज आई। वीडियो फुटेज में एक अनजान लड़के को घर में पटाखा फेंकते देखा गया। उनके बेटे कैफ ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह धक्का देकर भाग गया। कुछ देर बाद 10-12 लोग लाठी-डंडे लेकर उनके घर पर आ गए। हमलावरों ने खालिद, उनकी पत्नी, बेटों अयान और कैफ तथा बेटी मरियम पर हमला किया। उन्हें सिर और आंखों पर गंभीर चोटें आईं। एक हमलावर ने जान से मारने की नियत से गोली भी चलाई, जो चूक गई। जिलानी के पास घटना से संबंधित वीडियो साक्ष्य भी मौजूद है। वीडियो फुटेज के आधार पर खालिद ने तीन हमलावरों की पहचान की है। इनमें आजम नगर निवासी शकील कुरैशी, इमरान और लतीफ शामिल हैं। खालिद ने बताया कि घटना के बाद वे घायल परिवार को लेकर जिला अस्पताल गए। वहां चोटों का मुआयना कराया गया। हमलावरों के डर के कारण वे रात में रिपोर्ट दर्ज नहीं करा पाए थे।

अधिवक्ता की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दोनों ओर एक ही समुदाय के लोग हैं, सांप्रदायिक विवाद जैसा कोई मामला नहीं है। पुलिस फुटेज आदि स्रोत के हिसाब से कार्रवाई करेगी। - **चिराग जैन**, एसपी सिटी

काम पर लौटने की जल्दबाजी, ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी; फर्श पर बैठकर हो रहा सफर



आगरा, एजेंसी। दिवाली का त्योहार मनाकर काम पर लौटने वालों की भीड़ से सोमवार को रेलवे स्टेशन और बस अड्डे अटे रहे। दिल्ली-एनसीआर समेत दूसरे शहरों में नौकरी करने वालों की छुट्टियां खत्म होने के साथ ही वापसी की मारामारी शुरू हो गई। ट्रेनों में सीटें फुल होने से यात्रियों को जगह नहीं मिली। कोई पायदान पर तो कोई कोच के फर्श पर बैठकर सफर करता नजर आया।

कैंट के प्लेटफॉर्म नं एक पर यात्रियों की अच्छी खासी भीड़ नजर आई(प्लेटफॉर्म दो पर दोपहर 12.10 बजे जैसे ही पातालकोट एक्सप्रेस आई तो यात्रियों की भीड़ टूट पड़ी। हर कोई सीट पाने को बेताब दिख। वहीं शाम 5.20 बजे प्लेटफॉर्म चार पर झेलम एक्सप्रेस आई तो कमोबेश यही स्थिति नजर आई। इसके अलावा अन्य ट्रेनों में भी यही स्थिति दिखी स्टेशन पर ट्रेन पहुंचते ही उसमें सवार होने के लिए यात्रियों में धक्कामुक्की होने लगी। कोच के प्रवेश द्वार पर भीड़ जमा हो गई। जनरल और स्लीपर कोच एक जैसे नजर आए। सीट नहीं मिलने पर यात्री शौचालय के पास और सीटों के बीच खाली जगह में बैठकर सफर करते नजर आए।

हालांकि भाई दूज और गोवर्धन पूजा का त्योहार अभी बाकी है, लेकिन निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को लंबी छुट्टी नहीं मिल पाती। दिवाली से पहले घर आए लोगों को अब समय से काम पर पहुंचना है। रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेनों का संचालन किए जाने के बावजूद भीड़ से राहत नहीं मिली है। वेटिंग लिस्ट बढ़ने से कन्फर्म सीट मिलना मुश्किल हो रहा है। बस अड्डों पर भी दूसरे शहरों को जाने वाले यात्रियों को बसों में जगह पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।

आगरा रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि यात्रियों के भीड़ को देखते हुए 71 स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। अन्य अनारक्षित ट्रेनों का भी संचालन किया जा रहा है। होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जिससे प्लेटफार्म पर दबाव न पड़े। आरपीएफ की शिफ्ट वाइज ड्यूटी प्लेटफार्म पर लगाई गई है। चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान किसी प्रकार की कोई दुर्घटना न होने पाए। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे से भी प्लेटफार्म पर निगरानी की जा रही है।

दिवाली पर तोछीगढ़ में लंबी कूद में करन, दौड़ में रघु और रंजन अव्वल

अलीगढ़ , एजेंसी। दिवाली पर तोछीगढ़ में ग्रामीण प्रतिभा खोज खेल प्रतियोगिता हुई। लंबी कूद के बालक वर्ग में पारसौली के करन ने 22.2 फुट लंबी छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया। बालक वर्ग की 1600 मीटर दौड़ में सासनी के रघु ने प्रथम, दानिश ने द्वितीय और हरदपुर के कृष्णा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में पारसौली की रंजन प्रथम, बल्देव की रानी द्वितीय और अलीगढ़ की पायल शर्मा तृतीय रहीं।

प्रतियोगिता में अलीगढ़, बुलंदशहर, हाथरस, कासगंज, मथुरा और आगरा के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। 400 मीटर बालक वर्ग में मानगढ़ी के हनी ने पहला, अलीगढ़ के युधिष्ठिर ने दूसरा और हीरपुर के करन ने तीसरा स्थान हासिल किया।

बालिका वर्ग में पारसौली की रंजन प्रथम, पाइंदापुर की हेमा द्वितीय और अलीगढ़ की पायल शर्मा तृतीय रहीं। करैहला



के प्रवीन दूसरे और मुड़सान के सचिन तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में पाइंदापुर की हेमा प्रथम, अलीगढ़ की निशा द्वितीय और डिगसारी की चंचल तृतीय रहीं।

तोछीगढ़ के खिलाड़ियों के लिए हुए अलग मुकाबले

प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत तोछीगढ़ के खिलाड़ियों के लिए अलग से मुकाबले कराए गए। अंडर-18 की 400 मीटर दौड़ में शिवम पहले, समीर दूसरे, राहुल और आर्यन तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 वर्ग में हिमांशु पहले, सागर दूसरे और शौर्य तीसरे स्थान पर रहे। दस वर्ष तक के बच्चों की 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से सागर, शेरू भोला और बालिका वर्ग से आराध्या और परी विजयी रहीं। सभी विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार, मेडल और एक-एक जोड़ी स्पोर्ट्स शूज दिए गए।

संयोजक चौधरी रवेंद्र सिंह और सतेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव विवेक कुमार ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर ऐसे आयोजन होने से नई खेल प्रतिभाएं उभरेंगी और जिले व देश का नाम रोशन करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर गिर्राज सिंह और संचालन अध्यक्ष जतन चौधरी ने किया। निर्णायक देवीराम शास्त्री, कंचन सिंह रहे।

बिहार जा रहीं ट्रेनों में भीड़, पैर रखने की जगह नहीं

अलीगढ़ , एजेंसी। दिवाली और छठ महापर्व पर अपनों के साथ त्योहार मनाने की चाह में दूसरे राज्यों में काम करने वाले बिहार व पूर्वांचल के प्रवासियों की घर वापसी शुरू हो गई है। दिल्ली से अलीगढ़ होकर बिहार की ओर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों की काफी भीड़ देखने को मिल रही है।

ट्रेनें यात्रियों से खचाखच भरकर स्टेशन पहुंच रही हैं। भीड़ का आलम यह है कि जनरल डिब्बों में यात्रियों को बैठने के लिए तो दूर, ठीक से खड़े होने तक की जगह नहीं मिल रही है। एक्सप्रेस समेत कई लंबी दूरी की ट्रेनों में यही स्थिति देखने को मिल रही है। जनरल डिब्बों में निर्धारित क्षमता से करीब तीन गुना यात्री सफर कर रहे हैं। यात्री शौचालय के बाहर, गेट के पास, पार्सल कोच और सीटों के नीचे तक बैठने पर मजबूर हैं।

बुनियादी सुविधाओं के लिए भी जूझ रहे यात्री

लंबी दूरी की ट्रेनों के डिब्बों में अत्यधिक भीड़ के कारण गर्मी और घुटन से यात्रियों का बुरा हाल है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को हो रही है। बैठने की जगह नहीं मिलने से उन्हें लंबी दूरी का सफर बेहद कठिन



परिस्थितियों में तय करना पड़ रहा है। वहीं, शौचालयों में गंदगी और बदबू के कारण यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। भीड़ इतनी अधिक है कि शौचालय तक पहुंचना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। यात्रियों का कहना है कि दिवाली और छठ के दौरान हर साल बिहार आने वाली ट्रेनों में ऐसी स्थिति बनती है। इसके बावजूद नियमित ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या पर्याप्त नहीं बढ़ाई जाती।

- दिवाली व छठ पूजा के लिए दिल्ली-बिहार मार्ग पर त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए कई ट्रेनों में कोच भी बढ़ाए गए हैं, ताकि मुसाफिरों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। - अमित कुमार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे

आगरा किला से जुड़ेगा मेट्रो स्टेशन का अंडरपास

आगरा, एजेंसी। डॉ. आंबेडकर चौक मेट्रो स्टेशन से आगरा किला के गेट तक यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन अंडरपास बनाएगा। मेट्रो के दोनों कॉरिडोर में यह पहला अंडरपास होगा, जिसका निर्माण किसी विश्व धरोहर स्मारक के नजदीक किया जाएगा। वर्ष 1983 में विश्व धरोहर घोषित होने के बाद पहली बार आगरा किला से महज 15 मीटर की दूरी पर किसी निर्माण की इजाजत दी गई है। यह अंडरपास किले की खाई से 15 मीटर की दूरी पर मौजूदा टिकट काउंटर के पीछे बनाया जाएगा, जो सीधा मेट्रो स्टेशन तक पहुंचेगा। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि मेट्रो की ओर से पूरी ड्राइंग तैयार कर ली गई है।टिकट काउंटर के पीछे बने बाग से अंडरपास का निर्माण शुरू किया जाएगा जो मेट्रो स्टेशन तक पहुंचेगा। इससे आगरा किला आने वाले पर्यटकों को काफी सुविधा रहेगी। वह मेट्रो से उतरकर किले का सीधे टिकट खरीद सकेंगे। यह अंडरपास इस तरह से डिजाइन किया गया है कि मेट्रो के अंडरपास का कोई स्ट्रक्चर नजर नहीं आएगा।

शॉर्ट सर्किट से सराफे की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों के गहने नष्ट



आगरा , एजेंसी। मैनपुरी के करहल कस्बे सुभाष गेट के अंदर गुलाब बजरिया बाली गली में सोमवार रात शॉर्ट सर्किट से सराफे की दुकान में आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी जलकर राख हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कस्बे के सुभाष गेट के अंदर गुलाब बजरिया बाली गली मे राहुल जैन की सोने-चांदी के आभूषणों की दुकान है। सोमवार रात करीब 9:15 बजे वह दुकान बंद कर घर के लिए निकले थे। इसी दौरान दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। राहुल जैन अभी घर भी नहीं पहुंचे थे कि उन्हें दुकान में आग लगने की सूचना मिल गई। वह तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग ने दुकान में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया था।

राहुल जैन के अनुसार, दुकान में करीब सात से आठ लाख रुपये की नकदी के साथ सोने-चांदी के आभूषण रखे हुए थे। आग से दुकान में रखा सामान पूरी तरह जल गया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पांडेय फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

छठ पूजा पर घाटों में सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की विशेष एडवाइजरी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। छठ पूजा पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जनपद में विभिन्न घाटों, तालाबों, नदियों और अन्य जलाशयों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह ने जनपदवासियों से छठ पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से मनाने का आह्वान किया है।

अजीत कुमार सिंह ने कहा कि पर्व के दौरान जल दुर्घटना, आगजनी और अन्य आपातकालीन घटनाओं से बचने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। श्रद्धालु केवल निर्धारित और सुरक्षित घाटों पर ही पूजा करें तथा प्रतिबंधित और अधिक गहरे पानी वाले स्थानों पर जाने से बचें। बच्चों को जलाशयों के किनारे अकेला न छोड़ें और उनकी लगातार निगरानी करें। निर्धारित सुरक्षित सीमा से अधिक पानी में प्रवेश न करें। पूजा स्थलों पर भीड़, धक्का-मुक्की और भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न न होने दें।



प्रशासन ने दीपक, धूप और अगरबत्ती जलाते समय सावधानी बरतने के साथ विद्युत तारों, अस्थायी बिजली कनेक्शनों और सजावटी रोशनी से उचित दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। खुले या क्षतिग्रस्त बिजली के तारों को छूने से बचने तथा घाटों पर फिसलन, गंदगी और जलभराव वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। श्रद्धालुओं से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और अपुष्ट सूचनाएं सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित नहीं करने की अपील भी की गई है।

किसी दुर्घटना, संदिग्ध गतिविधि या आपातकालीन स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जिला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0120-2978231 और 0120-2978232 जारी किए गए हैं। घाटों पर तैनात पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन और बचाव दल के निदेशों का पालन करने की अपील करते हुए प्रशासन ने सामूहिक सहयोग से छठ पूजा को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का आग्रह किया है।

सफाई मजदूर संघ की नगीना शाखा का गठन, वासु वाल्मीकि अध्यक्ष और संजय वाल्मीकि बने महामंत्री



नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ की बैठक में नगीना शाखा का गठन किया गया। इसमें वासु वाल्मीकि को अध्यक्ष और संजय वाल्मीकि को महामंत्री पद पर सर्वसम्मति से चुना गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का संगठन के सदस्यों ने फूलमालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। वाल्मीकि बस्ती में राजेंद्र कुमार के आवास पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता महेश उर्फ दारा वाल्मीकि ने की, जबकि संचालन करन संतोषी ने किया। बैठक में धामपुर से पहुंचे संघ के जिलाध्यक्ष आशीष कुमार और महामंत्री रविंद्र चैनवाल का पगड़ी बांधकर तथा फूलमालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान संगठन की मजबूती और सफाई कर्मचारियों की एकजुटता को लेकर भी चर्चा की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष वासु वाल्मीकि और महामंत्री संजय वाल्मीकि का जिलाध्यक्ष आशीष कुमार, महेश उर्फ दारा तथा सभासद कपिल पवार ने पगड़ी पहनाकर और फूलमालाएं भेंट कर अभिनंदन किया। संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भी दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की अपेक्षा जताई।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी का 24 घंटे में खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार; दो की तलाश जारी



बिजनौर (शिखर समाचार)। किरतपुर पुलिस ने ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी होने की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की गई ट्रॉली के साथ वारदात में इस्तेमाल किया गया जॉन डियर ट्रैक्टर भी बरामद किया है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार ग्राम नया गांव (मोहम्मद अलीपुर सुखानंद) निवासी जयप्रकाश पुत्र सागर सिंह ने नौ नवंबर को थाने में तहरीर देकर शिकायत की थी कि अज्ञात व्यक्ति उसके घेर से ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 नवंबर को योगेश उर्फ रितिक पुत्र अशोक कुमार निवासी मोहम्मद अलीपुर सुखानंद उर्फ नया गांव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मोतीचूर के पास भट्टे के निकट कबाड़ी के गोदाम के समीप खाली पड़ी जमीन से चोरी की गई ट्रॉली और वारदात में प्रयुक्त जॉन डियर ट्रैक्टर बरामद किया। पुलिस के अनुसार घटना में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही है।

भैयादूज की खरीदारी और आवाजाही से शामली की सड़कें जाम, मिनटों का सफर घंटों में हुआ पूरा

शामली (शिखर समाचार)। भैयादूज पर्व से पहले मंगलवार को शामली शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आई। भाई-बहनों के आवागमन और त्योहार की खरीदारी के चलते शहर के प्रमुख मार्गों पर दिनभर जाम लगा रहा। हालात इतने खराब रहे कि चंद मिनटों का सफर तय करने में वाहन चालकों को घंटों लग गए। जाम के कारण राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यातायात व्यवस्था संभालने के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई, लेकिन इसके बावजूद लोगों को राहत नहीं मिल सकी। बुधवार को भैयादूज का पर्व मनाया जाएगा। इससे पहले ही मंगलवार को भाई-बहनों के एक-दूसरे के घर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बसों और ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ रही। रोडवेज बस अड्डे पर यात्रियों की अधिक संख्या के चलते बसें सड़क पर खड़ी रहीं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। वहीं,



बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों से अपनी बहनों के घर पहुंचे। इससे शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव और बढ़ गया। दिल्ली रोड, मेरठ-करनाल मार्ग, बुढ़ाना रोड, रेलपार बाईपास, गुरुद्वारा तिराहा, धीमानपुरा, भिक्की मोड़, शिव चौक, वर्मा मार्केट रोड और फव्वारा चौक सहित अनेक प्रमुख स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। जाम से बचने के लिए बाजार जाने वाले लोगों को गलियों और मोहल्लों के वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। यातायात व्यवस्था बिगड़ने का एक प्रमुख कारण धीमानपुरा और बुढ़ाना रेलवे फाटकों का बार-बार बंद होना भी रहा। त्योहारी मौसम में दिल्ली-सहारनपुर रेलमार्ग पर यात्री ट्रेनों के साथ मालगाड़ियों की आवाजाही जारी रहने से फाटक बार-बार बंद हुए। इसके चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और शहरवासियों को घंटों जाम से जूझना पड़ा।

दादी का सपना पूरा करने हेलीकॉप्टर से दुल्हन लेने पहुंचा दूल्हा

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के थाना धौलाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को अनोखी शादी देखने को मिली, जहां मेरठ से आया दूल्हा अपनी दुल्हन को हेलीकॉप्टर में बैठाकर विदा करा ले गया। आसमान से उड़े उड़नखटोले को देखने और दूल्हा-दुल्हन की एक झलक पाने के लिए पूरे गांव में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेरठ निवासी हीरा राणा का विवाह धौलाना क्षेत्र के गांव देहरा निवासी युवती से तय हुआ था। मंगलवार को नियत कार्यक्रम के अनुसार दूल्हा हीरा राणा भव्य अंदाज में हेलीकॉप्टर से बारात लेकर दुल्हन के गांव पहुंचे। गांव के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर जैसे ही हेलीकॉप्टर उतरा, कौतुहलवश आसपास



के लोगों का हुजूम जमा हो गया। वैवाहिक रस्मों और दावत के सकुशल संपन्न होने के उपरांत दूल्हा अपनी नवविवाहिता दुल्हन को बड़े ही राजसी ठाट-बाट के साथ हेलीकॉप्टर में बैठाकर अपने गृह नगर मेरठ के लिए रवाना हो गया। इस अनोखी विदाई की चर्चा पूरे क्षेत्र में दिनभर बनी रही और लोग इस पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते नजर आए। बताया जा रहा है कि दूल्हे हीरा राणा ने अपनी पूज्य दादी का सपना पूरा करने के लिए हेलीकॉप्टर से बारात ले जाने का संकल्प लिया था। दादी की इच्छा थी कि उनका पोता अपनी जीवनसंगिनी को हवा में उड़ते विमान से घर लाए। शादी के इस पावन अवसर पर हीरा राणा ने अपने इस अनोखे संकल्प को पूरा कर दिखाया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक गंभीर, गन्ने के जूस की गाड़ी की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे में घटित दो पृथक हादसों में एक ओर जहां अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं दूसरी ओर गन्ने का रस निकालने वाली मशीन (जुगाड़) की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया तथा हादसों की जांच शुरू कर दी है।



पहला हादसा जहांगीरपुर क्षेत्र में सोमवार की रात उस समय हुआ जब वारिश, साहिल और मूसारीस एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी कार्यवश खुर्जा जा रहे थे। रास्ते में एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को तुरंत निकट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया और टक्कर मारकर भागे वाहन की तलाश शुरू कर दी।

वहीं दूसरी दुखद घटना में गांव सिरसा खादर निवासी देवराज गन्ने का रस निकालने वाली गाड़ी से मजदूरी करने सुबह-सवेरे वृंदावन जा रहे थे। हल्की ठंड होने के कारण उन्होंने शरीर पर शॉल ओढ़ रखा था। जैसे ही वे मथुरा सीमा क्षेत्र में पहुंचे, हवा के झोंके से उनका शॉल गाड़ी में लगे जनरेटर के चलते पुर्जों में फंस गया। शॉल गले में लिपटा होने के कारण देवराज भी जनरेटर की चपेट में आ गए और घुटन व गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

दोनों घटनाओं से मृतकों और घायलों के परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने दोनों मामलों का संज्ञान लेते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गढ़ गंगा कार्तिक मेले की तैयारियों का एडीजी जोन ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। प्रसिद्ध गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेले को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) मेरठ जोन भानु भास्कर ने गढ़ गंगा मेला स्थल का दौरा किया। मेला परिसर पहुंचने पर एडीजी जोन को गार्द द्वारा सलामी दी गई। तदोपरांत, पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्रुति शर्मा, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह तथा अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) महेश कुमार की उपस्थिति में मेला स्थल का विस्तृत भ्रमण और निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने संपूर्ण मेला परिसर में की गई तैयारियों, घाटों की व्यवस्था और यातायात रूट डायवर्जन प्लान का सूक्ष्मता से जायजा लिया। स्थल निरीक्षण के पश्चात अस्थायी पुलिस लाइन में समस्त पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीजी जोन ने मेला थाना प्रभारी, जोनल, सुपर जोनल और सेक्टर प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात संचालन और शांति व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाई जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी श्री राम यादव, क्षेत्राधिकारी (सीओ) राहुल यादव, जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी शिशुपाल शर्मा सहित विभिन्न विभागों के संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कलियर में कार से 1.222 किलो चरस बरामद, चार लाख की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। नशा मुक्त देवभूमि-2026 अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पिरान कलियर पुलिस ने बेड़पुर चौक के समीप चेकिंग के दौरान एक कार से 1 किलो 222 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार और एक मोबाइल फोन भी कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर 2026 को बेड़पुर चौक के पास चेकिंग के दौरान रेनॉल्ट काइगर कार संख्या वड08इछ3527 को रोककर तलाशी ली गई। कार में सवार मोनू अली पुत्र बारू निवासी ग्राम खेड़ी शिकोहपुर, कोतवाली भगवानपुर, जनपद हरिद्वार, उम्र 26 वर्ष के कब्जे से चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने गांव और आसपास के गांवों में नशा



करने वाले लोगों से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में चरस एकत्र करता था और उसे कलियर क्षेत्र में अधिक कीमत पर बेचकर मुनाफा कमाता था। आरोपी वाहन चलाने का काम करता है। उसने व्यक्तिगत खर्चों की पूर्ति और अधिक पैसा कमाने के लालच में तस्करी शुरू की थी।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली पिरान कलियर में मुकदमा संख्या 307/2026, धारा 8/20/60 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर की गई। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी, उप निरीक्षक अमित नौटियाल, हेड कांस्टेबल सोनू कुमार, इसरार अली, माजिद खान, अमित कुमार और कांस्टेबल आविद अली शामिल रहे।

आबकारी और पुलिस टीम ने भगवंतपुर के जंगल से नष्ट कराया 500 किग्रा लहन



हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी ऐतिहासिक गढ़मुक्तेश्वर कार्तिक पूर्णिमा मेले के दृष्टिगत जनपद में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग एवं हापुड़ पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 और पुलिस टीम ने ड्रोन कैमरे की मदद से जंगलों में सघन जांच अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान के तहत मंगलवार को संयुक्त टीम ने गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत भगवंतपुर और इनायतपुर के खादर एवं जंगलों में छापेमारी की। दुर्गम इलाकों और घने जंगलों में छिपाकर की जा रही अवैध गतिविधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने आधुनिक ड्रोन तकनीक का सहारा लिया। दबिश के दौरान भगवंतपुर के जंगल से टीम ने अवैध कच्ची शराब बनाने के उद्देश्य से छिपाकर रखा गया लगभग 500 किलोग्राम लहन बरामद किया। आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर ही पूरे लहन को पूरी तरह नष्ट कर दिया तथा शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को भी निष्प्रभावी कर दिया। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गढ़मुक्तेश्वर मेले को निष्पक्ष और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले भर में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ यह कठोर दंडात्मक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

दीपावली पर मंदिर जा रही महिला से छेड़छाड़, विरोध करने पर बेटे और भतीजे को पीटा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। दीपावली की शाम परिवार के साथ मंदिर जा रही एक महिला के साथ दूसरे समुदाय के युवकों द्वारा छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा विरोध किए जाने पर दबंगों ने महिला के पुत्र और भतीजे के साथ जमकर मारपीट की, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीपावली की शाम कस्बे के मोहल्ला शांतिनगर निवासी लालसा देवी अपने पुत्र विकास और भतीजे हिमांशु के साथ कार में सवार होकर चामुंडा मंदिर में दीपक जलाने जा रही थीं। जैसे ही उनकी कार अंबेडकर चौक के पास पहुंची, तभी मोहल्ला आजाद नगर निवासी यूनुस, असलम, अमन और रियाज ने कार को जबरन रोक लिया और महिला के साथ अमर्यादित आचरण व छेड़छाड़ शुरू कर दी।

महिला के साथ हो रहे दुर्व्यवहार का जब विकास और हिमांशु ने विरोध किया, तो चारों आरोपियों ने उन पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने दोनों युवकों की बेदर्दी से पिटाई कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया।

पीड़ित महिला के पति राकेश कुमार की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी रियाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

खेत की मेढ़ लगाने को लेकर पिता-पुत्रों पर जानलेवा हमला, पुलिस ने तीनों आरोपी किए गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के छायंसा गांव में खेत की मेढ़ लगाने के विवाद को लेकर पड़ोसी दबंगों ने पिता और पुत्रों पर लाठी-डंडों व फावड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस खूनी संघर्ष में पिता और उनके बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जारचा कोतवाली क्षेत्र के छायंसा गांव निवासी सत्येंद्र सिंह गत 9 नवंबर की सुबह अपने पिता दयानंद तथा भाइयों शिवम और मोनू के साथ खेत पर मिट्टी की मेढ़ लगाने का कार्य कर रहे थे। उसी दौरान उनके खेत के पास ही स्थित जमीन के मालिक प्रमोद अपने भाई मनोज और भतीजे अंकुर के साथ वहां पहुंचे और बिना किसी बात के गाली-गलौज करने लगे। जब पीड़ितों ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने एकजुट होकर उन पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया।

विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने फावड़े से प्रहार कर बुजुर्ग पिता दयानंद और उनके बेटों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावर शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। परिजनों ने आनन-फानन में सभी घायलों को उपचार के लिए दादरी स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

अस्पताल में घायलों का उपचार कराने के बाद पीड़ित पक्ष की तहरीर पर जारचा कोतवाली में प्रमोद, मनोज और अंकुर के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश देकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने मारपीट के मामले में 10 आरोपियों को किया गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव नयावास में दो पक्षों के बीच हुई मामूली कहासुनी के बाद हुई हिंसक मारपीट के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध की रोकथाम और उपद्रवियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस को यह सफलता मिली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गांव नयावास में दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया था, जिसमें दोनों ओर से मारपीट हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा



अपराध संख्या 596/26 पंजीकृत किया। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न सुसंगत धाराओं तथा 7 सीएलए एक्ट के तहत नामजद 10 आरोपियों को दबोच लिया गया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान इंद्रजीत, विशाल, दिनेश, अजय, राजा, सुंदर, संजय, प्रमोद, गुड्डू और सोनू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी गांव नयावास बख्तावरपुर और छोटी गढ़ावली के निवासी हैं। पुलिस टीम ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी को हिरासत में लिया। गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी 10 आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने और शांति भंग करने वाले किसी भी अराजक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

संपादकीय

बड़े नोटों पर प्रतिबंध से नहीं, पारदर्शी व्यवस्था से मिटेगा भ्रष्टाचार

देश की अर्थव्यवस्था एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां नकदी, भ्रष्टाचार और डिजिटल भुगतान को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस शुरू हो गई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 500, 1000 और 2000 रुपये के बड़े नोटों को चलन से बाहर करने तथा बाजार में केवल 100 और 200 रुपये के नोट रखने की मांग उठाकर देश के आर्थिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। उनका मानना है कि बड़े मूल्य के नोटों का प्रचलन कम करने और डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने से भ्रष्टाचार, काले धन और चुनावों में धनबल के इस्तेमाल पर अंकुश लगाया जा सकता है। पहली नजर में यह विचार आकर्षक दिखाई देता है, क्योंकि कम जगह में अधिक धन रखने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में बड़े नोटों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लेकिन क्या केवल बड़े नोट समाप्त कर देने से भ्रष्टाचार की जड़ें समाप्त हो जाएंगी? यही वह सवाल है, जिस पर देश को गंभीरता से विचार करना चाहिए। नायडू की यह मांग ऐसे समय सामने आई है, जब आठ नवंबर 2016 की नोटबंदी के दस वर्ष पूरे हुए हैं। उस समय केंद्र सरकार ने 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को अमान्य घोषित करते हुए काले धन, नकली मुद्रा, आतंकवाद के वित्तपोषण और भ्रष्टाचार पर प्रहार करने का दावा किया था। देश के करोड़ों लोगों ने बैंकों और एटीएम के बाहर लंबी कतारों में खड़े होकर इस फैसले का प्रभाव झेला। बाद में नई मुद्रा जारी हुई, 500 रुपये का नया नोट आया और 2000 रुपये का नोट भी बाजार में पहुंचा। विडंबना यह रही कि जिस बड़े मूल्य की मुद्रा को पहले काले धन पर अंकुश लगाने के लिए अप्रभावी माना गया था, कुछ समय बाद उसी श्रेणी का 2000 रुपये का नोट भी प्रचलन में शामिल कर दिया गया। वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की, हालांकि वह अब भी वैध मुद्रा है। अब दस साल बाद फिर बड़े नोटों को समाप्त करने की मांग उठना बताता है कि नकदी और भ्रष्टाचार का रिश्ता आज भी नीति निमार्ताओं के लिए चुनौती बना हुआ है। यह समझना जरूरी है कि बड़े नोट भ्रष्टाचार का माध्यम बन सकते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार का एकमात्र कारण नहीं हैं। रिश्वतखोरी, सरकारी खरीद में अनियमितता, ठेकों में कमीशन, कर चोरी, जमीनों के लेनदेन और चुनावों में धन के दुरुपयोग के पीछे केवल मुद्रा का आकार नहीं, बल्कि व्यवस्था की कमजोरियां भी जिम्मेदार हैं। यदि 500 रुपये का नोट समाप्त कर दिया जाए तो भ्रष्टाचार करने वाले लोग 200 रुपये के नोटों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि नकदी का रास्ता कठिन होगा तो बेनामी संपत्ति, सोना, विदेशी मुद्रा, फर्जी कंपनियों और दूसरे वित्तीय माध्यमों का सहारा लिया जा सकता है। इसलिए नोटों का मूल्य घटाना एक उपाय हो सकता है, लेकिन इसे भ्रष्टाचार के विरुद्ध संपूर्ण समाधान मान लेना वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा होगा। इस बहस के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के आंकड़े भी महत्वपूर्ण संकेत दे रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के 23 अक्टूबर 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रचलित कुल मुद्रा का मूल्य लगभग 43.15 लाख करोड़ रुपये था। इसमें 500 रुपये के नोटों का हिस्सा ही लगभग 37.03 लाख करोड़ रुपये था। यह आंकड़ा बताता है कि भारतीय बाजार और व्यापारिक व्यवस्था में 500 रुपये के नोट की कितनी बड़ी भूमिका है। दूसरी ओर, डिजिटल भुगतान ने बीते वर्षों में असाधारण विस्तार किया है। एकीकृत भुगतान प्रणाली यानी यूपीआई ने छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक भुगतान का तरीका बदल दिया है। चाय की दुकान, सब्जी मंडी, किराना स्टोर, पेट्रोल पंप और ऑनलाइन कारोबार तक मोबाइल से भुगतान सामान्य व्यवहार बन चुका है।

~ मौलिक चिंतन ~

***मन में क्षमा और प्रेम रखें, नफरत का बोझ लेकर कोई प्रसन्न नहीं रह सकता।**



© विनय संकोची

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



सौरभ वार्ष्णेय

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है।

हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

यमुना की लहरों पर दिल्ली की नई उड़ान, पर्यटन और विरासत का नया संगम



विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

'नमो यमुना रिवर सफारी' का शुभारम्भ, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने साझा की विकास की परिकल्पना; इलेक्ट्रिक क्रूज से खुलेगा नदी पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का नया द्वार...

नई दिल्ली। भारतीय सभ्यता और संस्कृति की साक्षी रही यमुना नदी अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पर्यटन की एक नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। दिल्ली के पर्यटन इतिहास में 10 नवंबर 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हुआ, जब सोनिया विहार-जगतपुर के बीच 'नमो यमुना रिवर सफारी' क्रूज सेवा का शुभारम्भ किया गया। यमुना की लहरों पर इलेक्ट्रिक क्रूज की यह यात्रा केवल मनोरंजन की नई सुविधा नहीं, बल्कि राजधानी की ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक आस्था, पर्यावरण अनुकूल परिवहन और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को एक साथ जोड़ने की पहल है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह तथा सांसद मनोज तिवारी सहित केंद्र और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि दिल्ली में यमुना का उल्लेख सामान्यतः प्रदूषण, जलस्तर और नदी की सफाई से जुड़ी चुनौतियों के संदर्भ में होता रहा है। ऐसे में नदी के एक हिस्से को पर्यटन और जनसहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित करना एक नई सोच को सामने रखता है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के नेतृत्व में इस परियोजना को आगे बढ़ाया है। इसमें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग का सहयोग शामिल है। यह केंद्र और दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वित विकास का उदाहरण है।

जलमार्गों के विकास में नई संभावनाएँ : केंद्रीय मंत्री का संदेश

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यमुना में मनोरंजक क्रूज सेवा के शुभारम्भ को भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन और नदी पर्यटन की संभावनाओं से जोड़ते हुए जलमार्गों के बहुआयामी उपयोग पर बल दिया। उनकी इस पहल के पीछे मूल विचार नदियों को केवल जल संसाधन अथवा माल परिवहन के साधन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यटन, यात्री सुविधा और आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करना है। इलेक्ट्रिक क्रूज का संचालन स्वच्छ ऊर्जा आधारित जल परिवहन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। इससे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निवासियों को अपने ही शहर में नदी पर्यटन का नया अनुभव मिलेगा। भारत सरकार के आधिकारिक आँकड़े इस क्षेत्र में हुए विस्तार की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। देश में राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या बढ़कर 111 हो चुकी है। इनकी कुल घोषित लंबाई 20,187 किलोमीटर है, जो 23 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों में फैली है। इनमें से 32 जलमार्ग परिचालन की स्थिति में हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय जलमार्गों पर माल परिवहन 145.84 मिलियन मीट्रिक टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा। वित्त वर्ष 2013-14 में यह मात्रा केवल 18.10 मिलियन मीट्रिक टन थी। इसी प्रकार राष्ट्रीय जलमार्गों पर यात्री यातायात 2023-24 के 1.61 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में लगभग 7.64 करोड़ तक पहुँच गया। ये आँकड़े बताते हैं कि देश में जलमार्गों का उपयोग परिवहन के साथ यात्री सेवाओं और पर्यटन के लिए भी तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया आस्था और आधुनिकता का संगम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में यमुना के प्रति दिल्लीवासियों की धार्मिक आस्था, प्रेम और श्रद्धा को इस परियोजना का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'नमो यमुना रिवर सफारी' महज क्रूज अथवा नाव की सवारी नहीं, बल्कि मां यमुना के साथ लोगों के भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का एक अवसर है। उनके अनुसार, अब दिल्लीवासियों को अपने परिवार और बच्चों के साथ राजधानी में ही यमुना के प्राकृतिक परिवेश का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव दिल्ली के पर्यटन विकल्पों में एक नया आकर्षण जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ नदी की स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता भी रेखांकित की। उनका दृष्टिकोण इस परियोजना को एक व्यापक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का है, जहाँ परिवारों के लिए मनोरंजन, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक अनुभव एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। यह पहल छठ महापर्व से पहले शुरू होने के कारण विशेष महत्व रखती है। छठ पर्व में यमुना सहित नदियों और जलाशयों के प्रति पूर्वांचल तथा बिहार-झारखंड के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा की परिकल्पना ÷क्रूज से आगे मनोरंजन परिसर

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस परियोजना को केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और संबंधित एजेंसियों का साझा प्रयास बताया। उन्होंने सोनिया विहार में विकसित मनोरंजन क्षेत्र की सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल क्रूज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि इस पूरे क्षेत्र को परिवारों और पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना है। यहाँ बच्चों के लिए खेल और गेमिंग क्षेत्र, खानपान की सुविधा, फूड जोन, खरीदारी तथा अन्य मनोरंजन गतिविधियों की व्यवस्था विकसित की गई है। शाम के समय भगवान श्रीकृष्ण और यमुना मैया की थीम पर आधारित संगीतमय फव्वारे का आकर्षण भी इस परिसर का हिस्सा है।

मंत्री के अनुसार, पर्यटकों के लिए प्रवेश सुबह नौ बजे से शुरू करने और रात लगभग नौ बजे तक अंतिम टिकट जारी करने की व्यवस्था बताई गई है। भविष्य में पर्यटकों की संख्या और मांग को देखते हुए क्रूज नौकाओं की संख्या बढ़ाने की भी योजना है। इससे स्थानीय कारोबारियों, खानपान संचालकों, परिवहन सेवाओं और अन्य छोटे व्यवसायों के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

बदलाव का जरिया बन सकेगी रामलीला मैदान की रैली



उमेश चतुर्वेदी

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं।

सत्ता के खिलाफ विपक्षी दल जब भी रामलीला मैदान में रैली करते हैं, उनकी स्मृति में सात फरवरी 1977 की तारीख होती है। आपातकाल के बाद दिल्ली की उतरती ठंड के बीच जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में हुई रैली में ही सत्ता परिवर्तन के बीज पड़े थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि करीब आधी सदी बाद इसी रामलीला मैदान में आयोजित रैली के किरदार बदले हुए थे। 1977 में जिस रैली के निशाने पर कांग्रेस थी, करीब पांच दशक बाद की रैली में कांग्रेस बदली हुई भूमिका में रही। इंदिरा के पोते राहुल गांधी की अगुआई में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में निशाने पर वह भारतीय जनता पार्टी रही, जो तब जेपी की अगुआई में इंदिरा के खिलाफ खड़ी थी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसके कुछ ही दिनों बाद हुए आम चुनावों में सर्वशक्तिमान मानी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता का शिराजा बिखर गया था। ऐसे में सवाल यह उठना लाजमी है कि क्या राहुल की अगुआई वाली रामलीला मैदान की रैली देश की सत्ता को बदलने में कामयाब हो पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने %किसान-खेत मजदूर% रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए %भूमि अधिग्रहण अध्यादेश% के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। कांग्रेस की ही अगुआई में विपक्षी दलों ने 14 दिसंबर 2019 को इसी रामलीला मैदान में %भारत बचाओ% रैली की थी। जिसका मकसद, देश की आर्थिक स्थिति, गिरते जीडीपी, बेरोजगारी और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरना रहा। इस रैली का असर यह हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देश के कई हिस्से महीनों तक आंदोलनरत रहे।

कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने रामलीला मैदान में चार सितंबर 2022 को %महंगाई पर हल्ला बोल% रैली के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। इस रैली में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने का विरोध किया गया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में राहुल गांधी के भाषण की खूब चर्चा है। कुछ इसी तरह इस रैली में भी राहुल गांधी ने जो कहा था, उसे लेकर कई दिनों तक चर्चा और विमर्श जारी रहा। पिछले आम चुनाव के ठीक पहले 31 मार्च 2024 को फिर कांग्रेस ने विपक्षी दलों की %लोकतंत्र बचाओ% महारैली आयोजित की। इस रैली का मकसद शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भूमि घोटाले में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध करना रहा। इस रैली मोदी सरकार के विरोध में गठित विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ताकत दिखाना भी रहा।



मोदी सरकार के गठन के बाद कांग्रेस की अगुआई में आयोजित हुई रामलीला मैदान की रैलियों के परिणामों पर नजर डालें तो देखेंगे कि 2024 की रैली के अलावा किसी दूसरी रैली का मोदी सरकार की सेहत पर खास असर नहीं दिखा। 2024 के आम चुनावों में बीजेपी का बहुमत के आंकड़े से दूर होने के पीछे इस रैली के असर को देखा-समझा जा सकता है। फिर भी कहा जा सकता है कि इस रैली ने मोदी के अजेयता के मिथ को चोट जरूर पहुंचाई। यह बात और है कि इससे बीजेपी निराश नहीं हुई। अगर वह निराश हुई होती तो वह बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के चुनाव नहीं जीत सकती थी। विपक्ष चाहे लाख दावा करे कि इन राज्यों में एसआईआर के बहाने वोटों की चोरी हुई, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी की अगुआई में बीजेपी निराशा झाड़कर उठ खड़ी होती रही और चुनाव-दर-चुनाव सफलताएं हासिल करती रही।

राहुल गांधी के निशाने पर इन दिनों चार लोग हैं और अपने हर भाषण और प्रेस कांफ्रेंस में वह अशोभन ढंग से इन नामों पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लेकर राहुल टिप्पणियां कर रहे हैं। रामलीला मैदान में भी उन्होंने अशोभन तरीके से नाम लिए, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी नहीं चूके कि वे किसी से नफरत नहीं करते। राहुल का यह रूप दिलचस्प ही कहा जाएगा कि नफरत नहीं भी करते, लेकिन उनके शब्दों में नकारात्मकता ठीक से झलकती है। कांग्रेस के रणनीतिकार मानें या न मानें, लेकिन अमर्यादित तरीके से निशाना बनाने के चलते राहुल के शब्दों को आम जन गंभीरता से नहीं ले पाता। लोकसभा के चुनाव में अभी दो साल का वक्त है, लेकिन अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश को छोड़कर हर राज्य में कांग्रेस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। पंजाब में उसका मुकाबला विपक्षी खेमे के ही आम आदमी पार्टी से है। यहां उसके लिए कशमकश की स्थिति है। उत्तर प्रदेश में वह समाजवादी पार्टी की पिछलग्गू है। हालांकि वह कोशिश कर रही है कि पिछलग्गू का ठप्पा उसके दामन से साफ हो सके। बाकी तीन राज्यों में वह बीजेपी के बरक्स मुकाबले में है। रामलीला मैदान की रैली का घोषित उद्देश्य भले ही मोदी, शाह, और भागवत का विरोध एवं ज्ञानेश का इस्तीफा लेना हो। लेकिन अघोषित मकसद इन राज्यों के चुनावी समर में बीजेपी को मात देना है। इस दिशा में अभी से माहौल बनाना है।

मोदी के उभार के बाद रामलीला मैदान में आयोजित अतीत की रैलियों और एक नवंबर की रैली में एक अंतर साफ दिखता है। पहले ममता समेत कुछ विपक्षी दल राहुल को नेता मानने से कतराते थे। लेकिन इस रैली में एक तरह से राहुल की अगुआई स्वीकार कर ली गई है। राहुल निर्विवाद तौर पर विपक्षी खेमे के नेता के तौर पर उभरे हैं। विपक्षी खेमे में राहुल की यह स्वीकारोक्ति बीजेपी के लिए चिंता का सबब हो सकती है।

1977 की रैली के दौरान जेपी ने जो कहा था, जैसे शब्दों का प्रयोग उन्होंने किया था, उसे आज के दौर के नेताओं को देखना चाहिए। तब जेपी ने कहा था, कि वे स्वतंत्रता और गुलामी के बीच चुनाव के अवसर को न चूकें। जोरदार तालियों के बीच, जेपी ने जोर देकर कहा था, ÷सवाल यह नहीं है कि जनता पार्टी जीतेगी या कांग्रेस। सवाल यह है कि आप, आपके बच्चे और देश स्वतंत्र होंगे या गुलाम। जब आप अपना वोट डालेंगे, तो आप अपना और देश का भविष्य भी तय करेंगे। अगर आप इस अवसर को चूक जाते हैं, तो शायद आप दिल्ली में फिर कभी ऐसी सभा आयोजित न कर पाएं।÷ जेपी के शब्दों में चिंतन का ताप था, उनके संघर्ष और साख की छाया थी। इसीलिए उन शब्दों को देश ने सुना और उस पर गौर भी किया। उस रैली में जेपी के साथ ही मोरारजी देसाई, चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी और अकाली नेताओं ने भी भाषण दिया था। तब सबके भाषण के निशाने पर इंदिरा थीं और सबके सुर एक थे। रामलीला मैदान की एक नवंबर की रैली में उसी तरह राहुल, खड़गे, अखिलेश, तेजस्वी, फारूख आदि ने आज की सत्ताधारी बीजेपी को निशाने पर तो जरूर लिया, लेकिन उनके भाषणों में अपनी-अपनी राजनीतिक विवशताएं भी नजर आ रही थीं। 1977 में जेपी के भाषणों से जनता जाग उठी थी, 2026 में राहुल आदि के भाषणों से लोक किस हद तक प्रभावित हो पाता है, इसे विधानसभा चुनावों के नतीजों में देखा जा सकेगा। अगर बीजेपी को नुकसान हुआ तो माना जाएगा कि रामलीला मैदान के मुद्दे कामयाब रहे, अगर बीजेपी अपने गढ़ बचाए रखने में कामयाब रही, तब राहुल को फिर नया मुद्दा खोजना होगा।



निखारें चेहरा संवारें अपना भविष्य

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चेन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है। खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेज आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पसीने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह तभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

गुण क्या हो?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रैंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिक्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सेज के पाठ्यक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैंपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके?



फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकाचौंध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।



यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशो के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।

- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए- 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए- 3 साल।
- जम्मू और कश्मीर राज्य के उम्मीदवार के लिए- 5 वर्ष
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए- 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया- 5 वर्ष
- नेत्रहीन, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए- 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार- 6 प्रयास
- एससी / एसटी के उम्मीदवार- कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार- 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग- 9 प्रयास

मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनालिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशो के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आईएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्ही आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।





ऑडियो इंजीनियरिंग

नई पीढ़ी का उभरता हुआ करियर

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्युजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गईं। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकार्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फिक्वेंसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण है।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।



कोचीन एयरपोर्ट बार लाइसेंस रद्द, सरकार की नई नीति बनी वजह

तिरुवनंतपुरम ।

केरलम आबकारी विभाग ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'अर्थ लाउंज बार' को मिली एफएल-7 लाइसेंस की मंजूरी रद्द कर दी है। यह निर्णय राज्य सरकार के निर्देश पर लिया गया, जिसमें सभी नए लाइसेंस आवेदनों पर 2026-27 की आबकारी नीति के तहत ही विचार करने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आबकारी आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे जयशंकर आर ने लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी किया। यह कदम हवाई अड्डे पर बार लाइसेंस देने को लेकर चल रहे विवादों के बीच आया है। इससे पहले, तत्कालीन आबकारी आयुक्त का तबादला भी हुआ था। विभाग ने नेदुंबस्सेरी स्थित एक निजी होटल समूह को 23 जून, 2026 को आवेदन पर टर्मिनल-3 में बार चलाने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए सालाना दो लाख रुपये लाइसेंस शुल्क तय था।

चीन का व्यापार अधिशेष फिर 1 लाख करोड़ डॉलर के पार

उच्च प्रौद्योगिकी निर्यात से रिकॉर्ड वृद्धि, घरेलू मांग की सुस्ती को संभाला

हांगकांग ।

चीन ने लगातार दूसरे साल एक लाख करोड़ डॉलर (1 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक का व्यापार अधिशेष दर्ज किया है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मजबूत निर्यात और विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान की है। सीमा शुल्क एजेंसी के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर के बीच चीन का व्यापार अधिशेष 1.04 लाख करोड़ डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में सालाना आधार पर 35.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जिसमें सेमीकंडक्टर और मोटर वाहन जैसे उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रमुख रहे। हालांकि, आयात में भी 41.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जिसके चलते अक्टूबर का व्यापार अधिशेष सितंबर के 133.5 अरब डॉलर से घटकर 105.3 अरब डॉलर रह गया। इसके बावजूद, चीन पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष को पार करने की राह पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मजबूत निर्यात ने चीन में घरेलू मांग की सुस्ती की भरपाई की है, जिससे देश इस साल अपने 4.5 से 5 प्रतिशत के वार्षिक आर्थिक वृद्धि लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेगा।

बिहार में वैश्विक विकास सम्मेलन जनवरी में, आर्थिक खाके पर होगा मंथन

अगले साल जनवरी में पटना में जुटेगा उद्योग जगत, शिक्षाविद व प्रवासी समुदाय

पटना ।

बिहार अगले साल जनवरी में राज्य के आर्थिक विकास का खाका तैयार करने के उद्देश्य से एक दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 12 और 13 जनवरी को पटना में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में लगभग 1,500 शिक्षाविद, नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और राज्य के प्रवासी समुदाय के सदस्य जुटेंगे। उद्योग विभाग के बयान के अनुसार बिहार के कायाकल्प पर वैश्विक सम्मेलन 2027 का आयोजन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी), बिहार फाउंडेशन और नालंदा विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर बिहार के लिए एक समृद्ध, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु साझा दृष्टिकोण तैयार करना है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने पटना में सम्मेलन के पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह पहल राज्य के विकास में विभिन्न हितधारकों के योगदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

भारत में चीनी का कड़वा सच- बढ़ती कीमतें और चुनौतियां

नई दिल्ली ।

त्यौहारी सीजन बीत जाने के बावजूद, भारत में चीनी की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। खुदरा बाजारों में औसत भाव करीब 59.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुँच चुका है, जबकि थोक में भी यह 55.40 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास दर्ज हो रहा है। दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक और उपभोक्ता देशों में से एक होने के नाते, भारत में यह स्थिति कई जटिल कारणों का परिणाम है।इस वर्ष चीनी की कीमतों में वृद्धि के मुख्य कारणों में गन्ने के उत्पादन में कमी और पेराई सत्र में देरी शामिल है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में अल-नीनो के प्रभाव के चलते मानसून के दौरान कम बारिश हुई, जिससे गन्ने की पैदावार पर सीधा असर पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान से गिरी कीमतें, ब्रेंट 92 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिली है। महज दो कारोबारी दिनों में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 6.5 प्रतिशत से अधिक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने की उम्मीदें हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं को कम किया है। मंगलवार सुबह ब्रेंट क्रूड 91.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई 86.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पिछले शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले ब्रेंट करीब 6.47 फीसदी और डब्ल्यूटीआई 5.24 फीसदी सस्ता हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि यदि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ती है तो अमेरिका की ओर से नए हमले होने की संभावना कम है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। जानकारों के अनुसार, वैश्विक बाजार में पर्याप्त तेल आपूर्ति भी कीमतों पर दबाव डाल रही है, पिछले सप्ताह भी ब्रेंट क्रूड में 16 फीसदी की बड़ी साप्ताहिक गिरावट



देखी गई थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक जोखिम अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तेल टैंकरों पर हमलों की खबरें आपूर्ति को लेकर जोखिम बरकरार रखती हैं, और बातचीत विफल होने या संघर्ष बढ़ने पर तेल की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं। भारत के लिए यह गिरावट बेहद फायदेमंद है, क्योंकि यह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरतों को आयात से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी से देश का तेल आयात बिल घटेगा, जिससे व्यापार और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

एडवेंचर बाइक होंडा अफ्रीका ट्विन का 2027 मॉडल प्रदर्शित

नई दिल्ली ।

होंडा ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी लोकप्रिय एडवेंचर बाइक अफ्रीका ट्विन का 2027 मॉडल प्रदर्शित किया। नए मॉडल का ट्विन-सिलेंडर इंजन अब 1,084 सीसी के बजाय 1,131 सीसी क्षमता का है। यह इंजन 118.9 हॉर्सपावर की ताकत और 119 न्यूटन मीटर का टॉर्क पैदा करता है। इंजन क्षमता और पावर में बढ़ोतरी का उद्देश्य लंबी दूरी की यात्रा तथा कठिन रास्तों पर मोटरसाइकिल के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है।

नई अफ्रीका ट्विन के साथ कंपनी ने एंड्यूरो स्पोर्ट्स नाम का एक नया ऑफ-रोड केंद्रित संस्करण भी पेश किया है। इसे खास तौर पर उन राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो सामान्य सड़कों के अलावा कच्चे और पथरीले रास्तों पर भी मोटरसाइकिल चलाना पसंद करते हैं। इस संस्करण में मैन्युअल रूप से एडजस्ट किया जा सकने वाला शोआ सस्पेंशन दिया गया है। आगे की तरफ 240 मिलीमीटर और पीछे 230 मिलीमीटर का सस्पेंशन ट्रैवल मिलता है। इसके साथ 260 मिलीमीटर का ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इन खूबियों के कारण बाइक को ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतर तरीके से चलाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस से बड़े पत्थरों और रास्ते की अन्य बाधाओं से निचले हिस्से के टकराने की आशंका कम हो सकती है। वहीं, लंबे सस्पेंशन ट्रैवल से झटकों को संभालने की क्षमता बढ़ती है। होंडा वर्ष 2022 तक भारतीय बाजार में अफ्रीका ट्विन की बिक्री करती रही थी। इसके बाद से इसकी वापसी को लेकर ग्राहकों में रुचि बनी हुई है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बढ़ाए सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील के दाम

साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में से एक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने कई लोकप्रिय घरेलू उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है, जिससे घर का बजट प्रभावित होने की आशंका है। कंपनी ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स के साथ-साथ मोती गुलाब जैसे साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की है।

इस मूल्य वृद्धि के बाद अब कपड़े धोना और अन्य घरेलू सफाई उत्पाद खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, सर्फ एक्सेल क्विक वॉश का 1 किलोग्राम पैक अब 235 रुपये के बजाय 245 रुपये में मिलेगा, जबकि इसके 500 ग्राम वाले पैक की कीमत भी 123 रुपये से बढ़कर 128 रुपये हो गई है। रिन और व्हील डिटर्जेंट पाउडर के 1 किलोग्राम पैक में भी 3 रुपये का इजाफा हुआ है। इसी तरह, मोती गुलाब साबुन का 150 ग्राम पैक अब 74 रुपये से बढ़कर 82 रुपये का हो गया है, जो लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एचयूएल ने बढ़ती कच्चे माल की लागत और उत्पादन खर्चों के दबाव को इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण बताया है। कंपनी का मानना है कि मुनाफा बनाए रखने के लिए ऐसी सीमित बढ़ोतरी आवश्यक है।

कच्चे तेल में गिरावट से बॉन्ड यील्ड लुढ़की,आरबीआई को मिलेगी राहत

वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और तेल कीमतों में गिरावट के चलते आया बदलाव

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के चलते भारतीय बॉन्ड बाजार में रौनक लौट आई। बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड लगभग 4 आधार अंक गिरकर 7.15 फीसदी पर बंद हुई, जबकि शुक्रवार को यह 7.19 फीसदी पर थी। डीलरों के मुताबिक, यह तेजी मुख्य रूप से ब्रेंट क्रूड की कीमतों में आई भारी गिरावट के कारण देखी गई। कच्चे तेल की कीमतों में इस नरमी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए आगामी बैठक में ब्याज दरों को यथास्थिति पर बनाए रखने की संभावना बढ़ा दी है। विश्लेषकों का मानना है कि दिसंबर की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार की उम्मीदें बदल गई हैं। अब 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बजाय 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी या यथास्थिति बनाए रखने की प्रबल संभावना है। कुल मिलाकर, तेल की कीमतों में नरमी, भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम में कमी और मौद्रिक नीति को लेकर बदली उम्मीदें बाजार के रुझान को धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में ले जा रही हैं। पिछले हफ्ते भी बेंचमार्क यील्ड में 23 आधार अंक की गिरावट आई थी, जो लगभग सात वर्षों में सबसे बड़ी



साप्ताहिक गिरावट थी। यह अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष के समाधान की उम्मीदों से जुड़ी थी। हालांकि, सकारात्मक बाजार रुझानों के बीच भारतीय रुपये में सोमवार को मामूली गिरावट दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले 94.83 पर खुलने के बाद, रुपया दिन के दौरान कमजोर होकर 94.14 तक आ गया, और अंततः 94.93 पर बंद हुआ, जबकि पिछली बार यह 93.91 पर बंद हुआ था।

हिमाचल में एनपीके उर्वरक की आपूर्ति बहाल,किसानों को मिली राहत

2,700 टन एनपीके 12-32-16 पहुंचा, इफको ने की पुष्टि, बढ़ी कीमतों से किसान परेशान

ऊना ।

हिमाचल प्रदेश में गेहूं की बुवाई से पहले किसानों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) ने राज्य को लगभग 2,700 मीट्रिक टन एनपीके (12-32-16) उर्वरक की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी है, जिससे कृषि कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इफको के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि यह महत्वपूर्ण खेप राज्य पहुंच चुकी है और इसे किसानों के बीच वितरित भी कर दिया गया है। एनपीके 12-32-16 एक उच्च फॉस्फोरस वाला मिश्रित उर्वरक है जो पौधों के शुरुआती विकास, जड़ों की वृद्धि और फूल आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इफको के एक अे धिकारी ने बताया कि गुजरात से आई इस पहली खेप के बाद, इतनी ही मात्रा की एक और आपूर्ति का अनुरोध किया गया है, जिसके जल्द पहुंचने की उम्मीद है। उर्वरक वितरण श्रृंखला को



मजबूत करने और यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास भी जारी हैं, हालांकि यूरिया आवंटन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। हालांकि, इस सकारात्मक खबर के साथ एक चिंता भी जुड़ी है।

ज्योति लैब्स बायबैक की कीमत बढ़ी, शेयरों की संख्या घटी

नई दिल्ली ।

ज्योति लैब्स लिमिटेड ने अपने शेयर बायबैक प्रस्ताव में संशोधन किया है।

कंपनी ने बायबैक की प्रति शेयर कीमत को 215 रुपए से बढ़ाकर 240 रुपए कर दिया है। हालांकि, बायबैक किए जाने वाले शेयरों की अधिकतम संख्या 68.37 लाख से घटाकर 61.25 लाख कर दी गई है।

कंपनी की बायबैक कमेटी ने 9 नवंबर को इन बदलावों को मंजूरी दी।

संशोधित शर्तों के तहत, ज्योति लैब्स अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 61.25 लाख तक फुली पेड-अप इक्विटी शेयरों का बायबैक करेगी, जो कंपनी की कुल पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल के 1.67 फीसदी के बराबर है।

यह बायबैक टेंडर ऑफर रूट के जरिए आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। पुराने प्रस्ताव में कुल 147 करोड़ रुपए तक के बायबैक की घोषणा की गई थी, लेकिन संशोधित प्रस्ताव में कुल बायबैक राशि का कोई विवरण नहीं दिया गया है। शेयर बायबैक में कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स से शेयर वापस खरीदती है।

अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ी

बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि एक और साल के लिए बढ़ा दी है। यह विस्तार 24 नवंबर, 2026 से प्रभावी होगा, जिससे बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा। केंद्रीय बैंक ने खराब प्रशासनिक मानकों के चलते यह कदम उठाया है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि समीक्षा के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा है कि सार्वजनिक हित में बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ाना जरूरी है। गौरतलब है कि बैंक में खराब प्रशासनिक मानकों से जुड़ी गंभीर चिंताओं के कारण आरबीआई ने नवंबर, 2023 में उसके निदेशक मंडल को हटाकर प्रशासक नियुक्त किया था। यह तीसरी बार है जब निदेशक मंडल की बहाली को टाला गया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक प्रशासक के रूप में बने रहेंगे, जिन्हें मौजूदा सलाहकार समिति के सदस्य वेंकटेश हेगड़े, देवेंद्र कुमार और सुहास गोखले सहयोग देंगे।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया करेगा रणनीतिक विस्तार

कंपनी रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में तलाश रही है अवसर

नई दिल्ली ।

वाहन कलपुर्जे बनाने वाली अग्रणी कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र से आगे अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इसके लिए अधिग्रहण के अवसरों की तलाश में है ताकि रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बना सके।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया अपने कारोबार में विविधता लाने और उसे बढ़ाने के लिए अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि वे संबंधित क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य नए क्षेत्रों में भी विविधीकरण के अवसर तलाश रहे हैं। इसके साथ ही टेनेको ऐसे वाहन उत्पादों का दायरा भी बढ़ाएगी जो किसी एक पावरट्रेन पर निर्भर न हों, बल्कि आंतरिक दहन इंजन (आईसीई, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन, तीनों में उपयोग किए जा सकें।

चंद्रा ने यह भी बताया कि कंपनी की ऑर्डर बुक बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछली तिमाही में लगभग 12,000 करोड़ रुपये थी। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और विकास क्षमता को दर्शाता है।

डीजीटीआर ने चार देशों से एल्यूमीनियम उत्पादों की डंपिंग की जांच शुरू की

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई ने घरेलू उत्पादकों को राहत देने के लिए स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड से आयातित एल्यूमीनियम उत्पादों की कथित डंपिंग के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को इन सस्ते आयातों से होने वाले नुकसान से बचाना है। आमतौर पर ऐसी जांच घरेलू उत्पादकों के आवेदन पर शुरू होती है, लेकिन उद्योगों के पास अक्सर आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता की कमी होती है। इसी वजह से डीजीटीआर ने स्वयं इस मामले को उठाया है। एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलेमाई), जो 228 निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है, के अभ्यावेदनों के आधार पर महानिदेशालय ने पाया कि डंपिंग के कारण आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। जांच के दायरे में खिड़कियों, दरवाजों, सौर ऊर्जा संयंत्रों की संरचनाओं, फर्नीचर और साइकिल के पुर्जों जैसे औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों में उपयोग होने वाले विभिन्न एल्यूमीनियम उत्पाद शामिल हैं। डीजीटीआर डंपिंग के अस्तित्व, उसकी मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का पता लगाएगा। यदि डंपिंग साबित होती है, तो महानिदेशालय घरेलू उद्योग को हुए नुकसान की भरपाई के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। इस पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत, देश अपने घरेलू उद्योगों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए ऐसे शुल्क लगा सकते हैं। भारत पहले भी चीन सहित विभिन्न देशों से आने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

दिवाली पर ग्राहकों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर की ताबड़तोड़ खरीदारी

मिठाइयों, दीयों और सोने के सिक्कों की घर बैठे डिलीवरी



नई दिल्ली ।

इस दिवाली पारंपरिक बाजारों की भीड़ से बचकर लोगों ने घर बैठे त्योहार की खरीदारी को प्राथमिकता दी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने इस साल दिवाली पर शानदार कारोबार दर्ज किया, जो ग्राहकों की अंतिम समय की जरूरतों को पूरा करने में सफल रहे। स्विगी इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मिठाइयों से लेकर सजावट के सामान तक की खूब बिक्री हुई, जिससे ऑनलाइन डिलीवरी का महत्व रोजमर्रा की जरूरतों से कहीं आगे निकल गया है।

जेप्टो के आंकड़ों के अनुसार, इस दिवाली फेस्टिव हैम्पर के ऑर्डरों में पिछले साल के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई। ग्राहकों ने लगभग 4.68 लाख दीयों का ऑर्डर दिया, जबकि फूलों और मालाओं की मांग ढाई गुना बढ़ी। मिठाइयों में लड्डू ने ऑर्डर संख्या में बढ़त बनाई, वहीं कुल मात्रा के लिहाज से सोन पापड़ी सबसे आगे रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर भी खरीदारी में अच्छी तेजी दिखी, जहां पार्टी की तैयारी के सामान में सालाना आधार पर 162 फीसदी और स्नैक्स की मांग में 42 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मिठाइयों में काजू कतली ग्राहकों की पहली पसंद बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि दिवाली की शाम डाइट कोक इंस्टामार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला गैर-किराने का उत्पाद रहा।

आर्यवीर सहवाग का तूफान!

यूएई के खिलाफ 168 गेंदों में ठोके 160 रन, पिता सहवाग की याद दिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वीरेंद्र सहवाग के करियर का अंत आज से कई साल पहले हो गया था, लेकिन उनके परिवार में क्रिकेट की विरासत को उनके बेटे आगे बढ़ा रहे हैं। वो भी कोई छोटे मंच पर नहीं, बल्कि भारत के लिए अंडर 19 एशिया कप में शानदार खेल का मुजाहिरा पेश कर रहे हैं।

वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग भारत की अंडर 19 एशिया कप टीम में चुना गया है, जहां वे शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने एशिया कप के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ तूफानी 70 रनों की पारी खेली थी, लेकिन अब दूसरे मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ शतक जड़ दिया है। उन्होंने इस मैच में परिस्थितियों को परखा, उसके बाद विकेट के अनुसार अपने शॉट्स का सिलेक्शन किया। उन्होंने आज के मुकाबले में खेल की जरूरत को समझते हुए कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई और 131 गेंदों का सामना करते हुए शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के लिए उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। आर्यवीर सहवाग ने इस मुकाबले में आउट होने से पहले 168 गेंदों का सामना करते हुए कुल 160 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 चौके और 7 छक्के लगे। उनका स्ट्राइक रेट 95.24 रहा।



19 साल के हैं वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर

आर्यवीर सहवाग का जन्म 19 अक्टूबर 2007 को हुआ था। वे 19 साल के हैं। उन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग में कुछ मैच खेले हैं। वे दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और दाएं हाथ के ही लेग ब्रेक गेंदबाजी करते हैं। वे दिल्ली प्रीमियर लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और दिल्ली लायंस के लिए खेल चुके हैं और अब इंडिया अंडर 19 की टीम में खेल रहे हैं।भारत का यह एशिया कप अंडर- 19 2026 में दूसरा मुकाबला है और इन दोनों मैचों में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर का भरपूर प्रभाव देखने को मिला है। हालांकि, बड़े मैचों में उनका प्रदर्शन अभी देखना बाकी है। उन्होंने अभी तक अपनी बल्लेबाजी संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के सामने दिखाई है। इस मुकाबले से पहले नेपाल के खिलाफ उन्होंने 52 गेंदों में 70 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ वे सिर्फ 22 गेंदों में 40 रन बना सके थे। श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ उनका प्रदर्शन कैसा रहता है देखना दिलचस्प होगा। आर्यवीर सहवाग ने वैश्विक मंच पर अभी बहुत अधिक नहीं खेला है, लेकिन एशिया कप में उनकी अब तक की बल्लेबाजी देखकर बड़े- बड़े दिग्गज और क्रिकेट प्रशंसक यह कहने लगे हैं की यह लड़का अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की तरह ही लगातार निखरता जा रहा है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सीनियर सहवाग की याद दिलाई है।

बारिश बनी विलेन

हैमिल्टन में भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द

टीम इंडिया का सीरीज जीतने का इंतजार बढ़ा

हैमिल्टन, एजेंसी। *भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। हैमिल्टन में मंगलवार को लगातार बारिश हो रही थी जिस कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच को रद्द करना पड़ा। पहले टॉस दो घंटे से भी ज्यादा देरी से हुआ जिसमें भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। टॉस से पहले ही ओवरों की कटौती कर दी गई और मैच 40-40 ओवर का कराने का फैसला किया गया। हालांकि, टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई जिससे मैच शुरू नहीं हो सका।*



शुरुआत में बारिश हल्की लग रही थी, लेकिन बीच-बीच में तेज हो रही थी। लगातार बारिश के कारण पिच को कवर्स से ढकना पड़ा और अंपायरों ने दो-तीन बार मैदान का निरीक्षण भी किया। लेकिन रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मैच शुरू ही नहीं हो सका। कटऑफ टाइम में अभी समय था, लेकिन हैमिल्टन में पूरे दिन बारिश का पूर्वानुमान था, लिहाजा इसे रद्द घोषित करना पड़ा। शुरुआत से ही हैमिल्टन में बारिश का पूर्वानुमान जताया गया था। भारत पांच मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत के पास इस मैच को जीतकर वनडे सीरीज अपने नाम करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन टीम इंडिया का इंतजार बढ़ गया। सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट मौंगानुई में खेला जाएगा।

दर्शक हुए निराश

हैमिल्टन में भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे। बारिश का पूर्वानुमान था, इसके बावजूद क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मैच देखने मिला। कई दर्शक रोहित शर्मा और विराट कोहली को खेलता हुआ देखने के लिए उत्सुक थे। हालांकि, उन्हें निराशा मिली। कोहली इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हालांकि, पिछले मैच में वह सस्ते में आउट हो गए थे। वहीं, रोहित भी न्यूजीलैंड में एक बड़ी पारी खेलने का इंतजार कर रहे हैं।



प्लेइंग-11 में नहीं किया था बदलाव

इससे पहले, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने तीसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। गिल ने बताया था कि भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। न्यूजीलैंड ने हालांकि, एकादश में एक बदलाव किया था और मैथ्यू फिशर को मौका दिया था। बारिश के कारण टॉस दो घंटे से अधिक समय की देरी से हुआ था।

कैसी थी दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्ष पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह।

न्यूजीलैंड : विल यंग, टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लाथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर।

कंबोज बोले- नेशनल टीम के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना

हैमिल्टन। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेल रहा हूं। यह काफी उत्साहजनक है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ब्रॉडकास्टर्स से अंशुल कंबोज ने कहा, 'मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं। तो यह हरियाणा में भी, जैसा मैं कह सकता हूं, मौसम और विकेट कुछ वैसे ही हैं।' भारतीय टीम के लिए खेलने की खुशी से जुड़े सवाल पर कंबोज ने कहा, 'मैं उत्साहित और बहुत खुश भी हूं, क्योंकि मैं अपनी नेशनल टीम के लिए खेल रहा हूं। अपनी नेशनल टीम के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है, इसलिए यह काफी उत्साहजनक है।' कंबोज आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा हैं। इस टीम के साथ उन्हें एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ काम करने का अवसर पर मिला है। इस पर उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। मैं अभी भी बहुत कुछ सीख रहा हूं। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं सही तरीके से सीख रहा हूं। परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, बल्कि इस बात पर फोकस कर रहा हूं कि मुझे क्या करना है और फील्ड पर भी क्या करना है।' कंबोज ने इंडिया ए के साथ खेलने पर मिले अनुभव पर कहा, 'यह बस मौसम के हिसाब से ढलने के बारे में था। विकेट थोड़ा ठंडा था, और मैं बस सही लेंथ और सही एरिया समझना चाहता था जहां मुझे गेंदबाजी करनी है। मैं बस उसी पर फोकस कर रहा हूं। यह विकेट और सिचुएशन के हिसाब से परफेक्ट लाइन और लेंथ के बारे में है।



शतरंज: मध्य प्रदेश के अनुज बने भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवात्री ने फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप जीतकर भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। वह अपने राज्य से इस प्रतिष्ठित खिताब को पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनुज को इस उपलब्धि पर सराहा है।

टूर्नामेंट के पहले दौर में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए अनुज ने अपने अंतिम आठ मुकाबलों में सात अंक हासिल कर यह उपलब्धि अपने नाम की। भारतीय शतरंज प्रेमियों को लंबे समय से देश के 100वें ग्रैंडमास्टर का इंतजार था, जबकि मध्य प्रदेश भी अपने राज्य के पहले ग्रैंडमास्टर के मिलने की उम्मीद लगाए बैठा था। ऐसे में यह सफलता बेहद ऐतिहासिक और खास है।

ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के अध्यक्ष नितिन नारंग ने अनुज को भारत का 100वां ग्रैंडमास्टर बनने पर बधाई दी है। उन्होंने इस उपलब्धि को भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर और गर्व का क्षण बताया है, साथ ही यह उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही 200 ग्रैंडमास्टर के आंकड़े तक पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत के 100वें ग्रैंमास्टर को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! है न कमाल की बात? अब भारत में शतरंज के 100 ग्रैंडमास्टर हो गए हैं! भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवत्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। भारत का 100 ग्रैंडमास्टर तक पहुंचना एक अहम पड़ाव है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। इसके साथ ही यह भी दिखाता है कि युवाओं के बीच शतरंज की लोकप्रियता कितनी बढ़ रही है। उन्होने लिखा, यह देखकर बहुत खुशी होती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।



स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के दावों को किया खारिज

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के उन दावों को खारिज कर दिया कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को सैंडपेपरगेट के बारे में पता था। समर ऑफ द सेंचुरी के लिए कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट के लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए स्टार्क ने कहा कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए संयुक्त बयान पर कायम हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर सैंडपेपरगेट के बारे में कुछ भी पता था और केप टाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की गई थी। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से स्टार्क ने कहा, 'मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं। मैंने सच में इस पर (ख्वाजा के दावों की कवरेज) ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। जाहिर है, लगभग आठ साल पहले इस पर अलग-अलग राय थी। उस समय से हमें इस प्रक्रिया के बारे में बहुत ज्यादा समझाया गया था। अब, मुझे लगता है, मैं गेंदबाज की तरफ से नहीं बोलूंगा, लेकिन जहां मैं खड़ा हूं, मेरी राय नहीं बदली है। 2021 में हमने जो कहा था, उससे मेरी याददाश्त नहीं बदली है।' ख्वाजा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि स्कैंडल के बारे में 'सबको पता था', स्टार्क ने कहा कि वह उस बयान पर कायम हैं जो गेंदबाजों ने 2021 में जारी किया था। उन्होंने कहा, 'यह जाहिर है एक किताब में है। यह किसी को और समझाना है। जहां तक ??हमारे बयान में कहा गया है (2021 में), हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इसे मैदान पर लिया जा रहा है। मैं इसे यहीं छोड़ता हूं। हमें नहीं पता था कि इसे छेड़छाड़ करने के लिए मैदान पर लिया गया था। हमने इसे केपटाउन में (पहली बार) बड़ी स्क्रीन पर देखा था।



सलीमा टेटे संभालेंगी कप्तानी

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय टीम का ऐलान



नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सलीमा टेटे की कप्तानी में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा में नए बने इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। मिडफील्डर सलीमा टेटे पिछले महीने जापान में एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपना पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने वाली भारतीय टीम की कप्तान होंगी। वरिष्ठ गोलकीपर सविता पुनिया, जिन्होंने 2026 एशियन गेम्स में भारत की कप्तानी की थी और भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम गोलकीपिंग करेंगी।

मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन और तीन बार की विजेता के तौर पर उतरेगी, जिसने 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीता है। भारत का मकसद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना और एशियन गेम्स में मिली सफलता से मिले आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए टाइटल्स की हैट्रिक पूरी करना होगा।

टूर्नामेंट में चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे

टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे। इंडिया की तरह, साउथ कोरिया ने भी विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी तीन बार जीती है। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें हर टीम दूसरी पांच टीमों से एक बार खेलेगी। लीग स्टेज के आखिर में टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीफ कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'यह वह पल है जब मैं दूसरे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्टेज पर अपना टैलेंट दिखाने का मौका देना चाहता हूं। कुछ प्लेयर्स नॉर्मल पोजीशन से अलग पोजीशन पर खेलेंगे, ताकि मैं देख सकूं कि वे अलग रोल में कैसा परफॉर्म करते हैं। हम घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और बेहतर फिनिश करने के लिए उत्साहित हैं। 'पहले दिन एशिया की टॉप रैंक वाली टीम चीन का मुकाबला थाईलैंड से होगा, जबकि भारत उसी दिन ओपनिंग सेरेमनी के बाद मलेशिया के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगा।इसके बाद भारतीय महिला टीम का मुकाबला 21 नवंबर को साउथ कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा।

भारतीय टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम

डिफेंडर : निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू लालथंतलुआंगी, पूजा साहू

मिडफील्डर : रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका

देश को गर्व

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 हमारी टीम के लिए अपनी ऐतिहासिक एशियन गेम्स जीत की लय को आगे बढ़ाने का एक अहम मौका है। मुझे यकीन है कि खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और देश को गर्व महसूस कराएंगे।'

कैरिक को झटका... क्लब कर रहा विकल्प की तलाश

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के हेड कोच के तौर पर माइकल कैरिक के भविष्य को झटका लग सकता है। प्रीमियर लीग क्लब उनके विकल्प की तलाश कर रहा है। पिछले शनिवार को मैनचेस्टर सिटी पर नॉटिंघम फॉरेस्ट की 3-1 की जीत के बाद रेलीगेशन जोन में जाने के बाद, मैनचेस्टर यूनाइटेड रविवार को एस्टन विला के साथ 4-4 के रोमांचक ड्रॉ के बाद सबसे नीचे के क्लब क्रिस्टल पैलेस से एक पॉइंट ऊपर 18वें स्थान पर है। हालांकि मैन यूनाइटेड इस बात पर जोर दे रहा है कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। द एथलेटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, 'संभावित रिप्लेसमेंट पर काम शुरू हो गया है और 13 दिनों में लिवरपूल का सामना करने के लिए एनफील्ड जाने से पहले बदलाव किया जाएगा।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कैरिक के भविष्य पर आखिरी फैसला को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ और क्लब के मेजोरिटी ओनर्स, ग्लेजर फैमिली से मंजूरी की जरूरत होगी। यूनाइटेड स्टेट्स के हेड कोच मौरिसियो पोचेतीनो के कैंडिडेट्स में काफी नाम आने की उम्मीद है, जबकि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व हेड कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन कैरिक की जगह लेने की रेस में हैं। पोचेतीनो ने अगस्त में यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध को बढ़ाने के लिए साइन किया था। हालांकि, माना जा रहा है कि इस डील में ऐसे क्लॉज हैं जो उन्हें खास हाई-प्रोफाइल जॉब्स के लिए जाने की इजाजत देंगे। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का परमानेंट हेड कोच नियुक्त किया गया था। जब वह जनवरी में हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उन्होंने एक सफल अंतरिम चार्ज दिया था।



लाबुशेन को जल्द वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली। मार्नस लाबुशेन ने एक साल से ज्यादा समय में दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर किए जाने पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि वह नेशनल टेस्ट टीम में वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का उनका रास्ता अपने आप बन जाएगा। लाबुशेन को 17 महीने के अंदर दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिलेगी। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से लाबुशेन ने मंगलवार को कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर आप काफी जागरूक होते हैं। आप इसे जांच से पीछे हटने और शायद दो साल से दबाव में रहने के मौके के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। 'लाबुशेन को उनके खराब फॉर्म की वजह से बाहर किया गया। उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला 2023 एशेज से शुरू हुआ था। यह आखिरी सीरीज थी जिसमें उन्होंने सेंचुरी बनाई थी। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर होने के बाद से, उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में दो अर्धशतक लगाए हैं। 32 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी पिछली 16 पारियों में कोई अर्धशतक नहीं लगाया है। दाएं हाथ का यह खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापसी करेगा और क्वींसलैंड की कप्तानी करेगा, जिसका अगला शेफील्ड शील्ड राउंड बुधवार से शुरू होगा।उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मेरा रास्ता अपने आप बन जाएगा। मैंने पहले भी ऐसा किया है, और मुझे कोई शक नहीं है कि मैं वहां वापस आऊंगा। कब? कौन जानता है, लेकिन यही तो मेरी ख्वाहिश और इच्छा है। अभी, मेरे पैर क्वींसलैंड के साथ मजबूती से जमे हुए हैं और एक कप्तान, बल्लेबाज, फील्ड में और गेंद के साथ मैं जो कुछ भी कर सकता हूं, वह कर रहा हूं ताकि हम मैच जीत सकें।'



टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु
ये यो मा मी मू
धा फा ढा भे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर
मे जा जी खी खू
खे खो गा गी

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

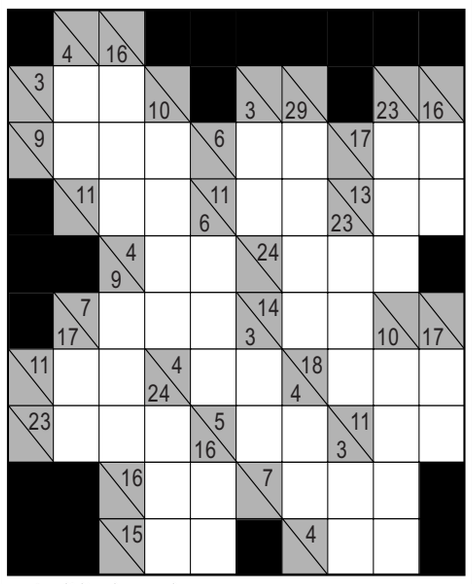
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

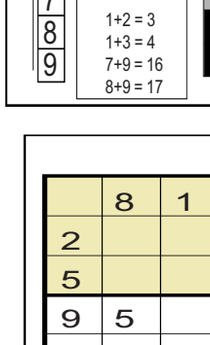
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4064

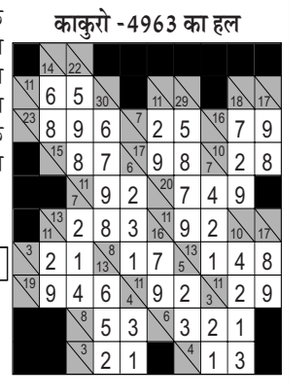


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो -4963 का हल



हंसी के फव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूं.'

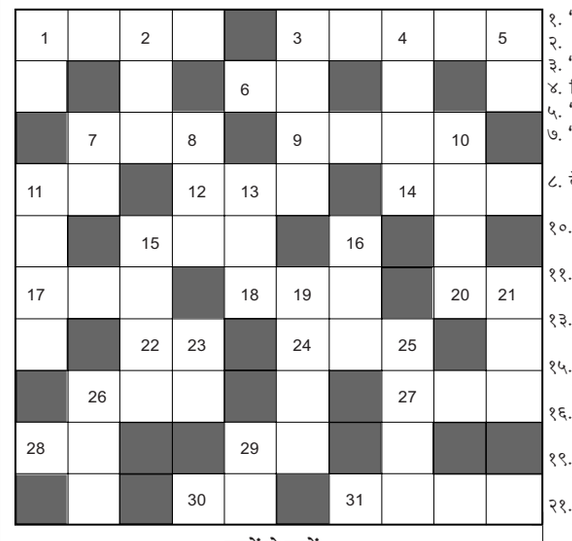
□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4064



बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4063

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	ष		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
ग		ज	य	श	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

सूडोकु -4064

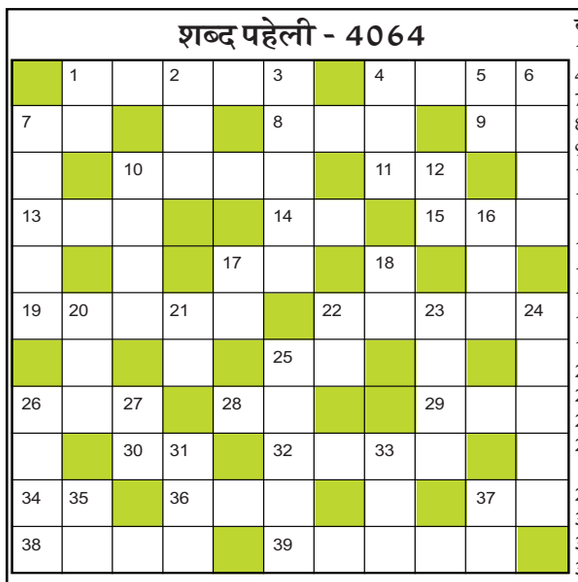
	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4063 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4064



बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

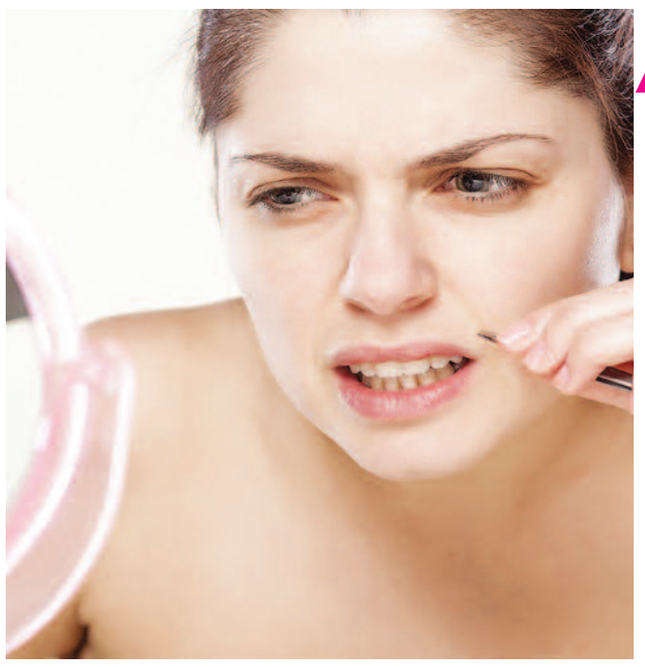
ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -4063 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खे
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	ध		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
रा	ह			म		रा			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		डु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

चेहरे पर क्यों होते हैं अनचाहे बाल



ऐसे पाएं इनसे निजात

खूबसूरत चेहरा हर किसी की चाहत है। पर इस चाहत पर नजर लगाते हैं अनचाहे बाल। चेहरे पर क्यों होते हैं ये अनचाहे बाल और कैसे इनसे पाएं छुटकारा? किसी भी महिला की खूबसूरती में उसके तीखे नैन-नक्श के साथ-साथ चमकते-दमकते चेहरे का भी बहुत योगदान होता है। आमतौर पर हमारी चेहरे की त्वचा पर हल्के रोएं होते ही हैं। सामान्य रूप से पुरुषों में वयस्क होने के साथ-साथ ये बढ़कर दाड़ी-मूंछ की शक्ल ले लेते हैं, लेकिन महिलाओं में बेहद हल्के ही बने रहते हैं। पर कुछ महिलाओं में चेहरे पर ये बाल इतने बढ़ जाते हैं कि वे असामान्य लगने लगते हैं। मेडिकल साइंस में इस स्थिति को हर्सूटिज्म यानी अतिरोमता कहा जाता है। इस बीमारी में महिलाओं के चेहरे, छाती, पीठ और पेट पर पुरुषों की तरह बाल उगने लगते हैं।

हर्सूटिज्म नामक इस बीमारी के बहुत से कारण हैं, लेकिन इसका एक मुख्य कारण महिलाओं के शरीर में एंड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन का ज्यादा मात्रा में बनना भी होता है। इसके अलावा भी कुछ अन्य कारण इस बीमारी के लिए आमतौर पर जिम्मेदार होते हैं। **पीसीओएस:** पॉलिसिस्टिक ओवरीज सिंड्रोम, एक ऐसी बीमारी है, जो महिलाओं में बहुत ज्यादा देखने को मिलती है। इसकी वजह से महिलाओं की ओवरीज (अंडाशय) की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है, जिसके साथ-साथ अनियमित मासिक धर्म, वजन का असामान्य रूप से बढ़ना, चेहरे पर मुहांसे आना और गर्भधारण में दिक्कतें आने लगती हैं। इन सबके चलते महिला के चेहरे पर पुरुषों की तरह बाल उगने लगते हैं। **कुशिंग सिंड्रोम:** एक शोध के अनुसार, करीब 50 हजार लोगों में से किसी एक को यह बीमारी होने का खतरा रहता है। लेकिन महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले इस बीमारी का खतरा तीन गुना बढ़ जाता है। दरअसल, जब शरीर में कॉर्टिसोल नाम के हार्मोन का स्तर जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है, तो चेहरे पर तेजी से बाल उगने शुरू हो जाते हैं, जिसके साथ-साथ असामान्य रूप से वजन बढ़ना, स्ट्रेच मार्क्स का बनना, मांसपेशियों और हड्डियों का कमजोर होना और शरीर पर जहां तहां नील पड़ने जैसी बीमारियां भी हो जाती हैं।

बढ़ती उम्र: जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ने लगती है, वैसे-वैसे हमारे शरीर में हार्मोन से जुड़े बदलाव भी तेजी से होने लगते हैं। खासतौर पर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में चेहरे पर बाल ज्यादा उगने लगते हैं, जो देखने में पुरुषों की दाड़ी और मूंछ की तरह लगते हैं।

वजन का असामान्य रूप से बढ़ना: महिला हो या पुरुष, मोटापा हमारे शरीर में हार्मोन के संतुलन को बुरी तरह से प्रभावित करता है। हार्मोन के इस असंतुलन के कारण भी चेहरे पर ज्यादा बाल उगने लगते हैं।

दवाओं का दुष्प्रभाव: लंबे समय तक ली जाने वाली कुछ खास दवाएं और स्टेरॉयड्स के सेवन से भी चेहरे पर असामान्य रूप से बाल बढ़ने लगते हैं।



कुछ आनुवांशिक कारण : कभी-कभी हर्सूटिज्म की समस्या वंशानुगत भी होती है। मतलब यह कि यदि आपकी मां, दादी या नानी को चेहरे पर अनावश्यक बालों की समस्या है, तो बहुत हद तक संभव है कि आपको भी इस परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता। **अधिक जंक फूड का सेवन:** इस तेज रफ्तार जिंदगी में अकसर हम सभी अपने खानपान की अनदेखी सबसे पहले करने लगते हैं। नतीजतन भूख लगने पर कुछ भी उल्टा-सीधा खा लेते हैं। जरूरत से ज्यादा मात्रा में खाया गया जंक फूड यूं तो सभी के लिए नुकसानदेह होता है, लेकिन महिलाएं इससे विशेष रूप से प्रभावित होती हैं। इससे उनके शरीर में हार्मोन में असंतुलन पैदा होने लगता है, जिसकी वजह से चेहरे पर अनचाहे बाल उगने लगते हैं।

काम आएंगे ये उपाय: हालांकि चेहरे पर अनचाहे बालों को होने से रोकने का कोई पुख्ता उपाय नहीं है, लेकिन फिर भी आमतौर पर थोड़े बहुत रोएं हटाने के लिए महिलाएं ब्लीच, थ्रेडिंग और वैक्सिंग करवा लेती हैं, जिसका प्रभाव काफी समय तक रहता है। इसके अलावा कुछ अन्य ऐसे उपाय भी हैं, जो मददगार साबित हो सकते हैं। **शेविंग:** जब चेहरे पर बाल असामान्य रूप से बढ़ जाते हैं और वह मोटे भी होते हैं, तो उन्हें हटाने के लिए थ्रेडिंग और ब्लीचिंग जैसे उपाय काम नहीं आते। ऐसी स्थिति में महिलाओं को शेविंग का सहारा लेना पड़ता है। यदि नियमित रूप से इन बालों को ना हटाया जाए, तो वह पुरुषों की दाड़ी की तरह दिखने लगते हैं। **इलेक्ट्रोलिसिस:** इस विधि में बहुत हल्के इलेक्ट्रिकल करंट को एक बेहद बारीक सुई की मदद से बालों की जड़ तक पहुंचाया जाता है, जिससे वह बाल जढ़ से जलकर खत्म हो जाता है। लेकिन यह एक महंगा उपाय है और इसमें वक्त भी लगता है। **लेजर हेयर रिमूवल:** यह तकनीक काफी हद तक इलेक्ट्रोलिसिस से मिलती-जुलती है, जिसमें बाल की जड़ को लेजर बीम के माध्यम से नष्ट किया जाता है। यह भी एक महंगा और लंबा उपाय है, साथ ही इसमें बाल फिर से उग आने की आशंका भी बनी रहती है। ये दोनों ही उपाय हमेशा किसी अनुभवी और अच्छे कॉस्मेटोलॉजिस्ट से ही करवाने चाहिए। **दवाओं की अहमियत:** यदि आप पीसीओएस या ऐसी ही किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त हैं, तो अनचाहे बालों को कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाएं ले सकती हैं। ये दवाएं शरीर में हार्मोन के स्तर को नियंत्रित रखती हैं, जिससे चेहरे पर अनचाहे बालों की समस्या नहीं होती। इसके अलावा गर्भ निरोधक गोलियां और एंटी एंड्रोजन दवाएं भी महिलाओं के शरीर में एंड्रोजन के स्तर को संतुलित करने का काम करती हैं। जिसके प्रभाव से चेहरे पर अनचाहे बाल धीरे-धीरे उगने कम हो जाते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

रवि दुबे ने 21 साल के लंबे इंतजार के बाद बड़े पर्दे पर रखा कदम

रवि दुबे ने नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म रामायण में लक्ष्मण का रोल अदा किया है. रवि दुबे को बड़े पर्दे पर देख उनकी पत्नी सरगुन मेहता के उत्साह का ठिकाना नहीं रहा है. सरगुन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति पर प्यार लुटाया है.



रवि दुबे और सरगुन मेहता टीवी जगत के सबसे पॉपुलर कपल्स में शुमार रहे हैं. दोनों की पहली मुलाकात टीवी सीरियल के सेट पर हुई थी. कई साल तक डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा. रवि और सरगुन अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ लवी-डबी पोस्ट शेयर करते रहते हैं. दिवाली के मौके पर भी दोनों ने अपने कपल गोल्स वाली फोटोज शेयर की हैं. रवि और सरगुन ने धूम-धाम से दिवाली मनाई. उनकी खूबसूरत फोटोज चर्चा का विषय बनी हुई हैं.

फैंस इनपर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. सरगुन ने अपने इंस्टाग्राम पर रवि के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर की हैं जिनमें उनका पेट डॉग भी दिख रहा है. सरगुन ने ब्लू कलर का सूट पहना है जिसे उन्होंने पर्पल रंग की चुन्नी के साथ पेयर किया है. वहीं रवि दुबे ने व्हाइट रंग का सिंपल कुर्ता पहना था जिसमें वो काफी चार्मिंग लग रहे थे. एक तस्वीर में कपल को फुलझड़ी जलाते देखा जा सकता है. दोनों की शानदार केमिस्ट्री इन तस्वीरों में साफ झलक रही है. रवि दुबे और सरगुन की मुलाकात साल 2009 में टेलीकास्ट होने वाले सीरियल '12/24 करोल बाग' के सेट पर हुई थी. ये सीरियल सिर्फ एक साल ही टेलीकास्ट हुआ था लेकिन इसके सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा जो आज भी कायम है.

समय रैना ने मेधा शंकर संग मनाई दिवाली



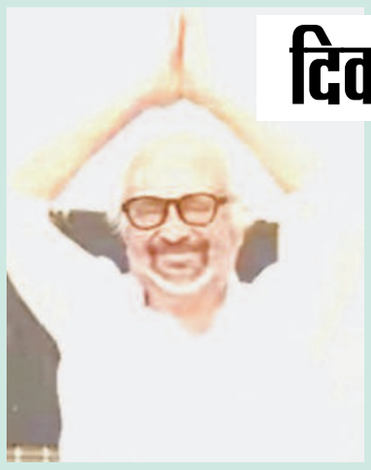
समय रैना के फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या कॉमेडियन ने मेधा शंकर के साथ अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है, क्योंकि दिवाली पार्टी में दोनों एक साथ मौज करते दिखे। यहां तक कि स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी को भी समय के साथ देखा गया।

पार्टी में कई जाने-पहचाने चेहरे

इस पार्टी में मनोरंजन जगत और कॉमेडी की दुनिया के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए, जिनमें वरुण धवन, मुनव्वर फारुकी, आशीष चंचलानी, कीकू शारदा, सिद्धांत चतुर्वेदी, वीर पहाड़िया, जाकिर खान, शेरोन वर्मा और बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट स्काउटओपी की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। इस पार्टी में मेधा को भी समय की मां, स्वीटी रैना के साथ देखा गया।

समय रैना की दिवाली पार्टी

स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना ने मुंबई स्थित अपने नए घर पर रखी दिवाली पार्टी की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे '12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के साथ नजर आ रहे हैं। इन दोनों के डेट करने की अफवाहों के बीच यह तस्वीर सामने आई है। मेधा गहरे लाल रंग के अनारकली सूट में बहुत प्यारी लग रही थीं, जिस पर सुनहरे रंग का काम था; वहीं समय ने आइवरी रंग का कढ़ाई वाला कुर्ता और सफेद पजामा पहना था। समय ने पहले ही जश्न की कुछ झलकियां शेयर की थीं, जिनसे पता चला कि उन्होंने मुंबई में अपने नए घर पर दिवाली की एक छोटी सी पार्टी रखी थी। उन्होंने लिखा, 'मुंबई में अपने नए घर पर एक घरेलू दिवाली पार्टी रखी। इसमें मैंने अपने दोस्तों और उनके माता-पिता को भी बुलाया था, बहुत बढ़िया माहौल रहा।'



दिवाली पर बारिश में भीगते रहे रजनीकांत के फैंस

रजनीकांत के फैंस की दीवानगी का आलम ही कुछ और है। रविवार को दिवाली के मौके पर चेन्नई में बारिश हो रही थी। लेकिन बावजूद इसके सैकड़ों फैंस उनके घर के बाहर जमा थे। टस से मस नहीं हो रहे थे। ऐसे में जब थलाइवा फैंस से मिलने पहुंचे तो उनकी एक झलके बाद जो शोर मचा, वह देखने लायक है। दिवाली का दिन सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए दोहरी खुशियां लेकर आया। एक तरफ त्योहार का जोरदार जश्न था, वहीं दूसरी तरफ थलाइवा ने घर के बाहर रविवार को सैकड़ों फैंस जमा हुए। काफी देर इंतजार के बाद चेन्नई में घर के बाहर तब जबरदस्त शोर और उमंग की लहर दौड़ पड़ी, जब रजनीकांत बाहर आए और फैंस से मिले। उन्होंने घर के दरवाजे के पीछे कुर्सी पर खड़े होकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। सभी को दीपावली की बधाई दी। इस खूबसूरत मंजर का वीडियो सामने आया है, जिसमें फैंस का उत्साह देखने लायक है। रजनीकांत के फैंस के लिए यह दिवाली इसलिए भी खास है कि सुपरस्टार की फिल्म 'जेलर 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। 15 अक्टूबर 2026 को रिलीज इस सीक्वल फिल्म ने 26 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 470.40 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। जबकि रिकॉर्डतोड़ 827.00 करोड़ की वर्ल्डवाइड कमाई कर ली है। यह तमिल सिनेमा की पहली फिल्म है, जिसने दुनियाभर में 800 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार किया है।

उत्तराखंड परफॉर्मेंस विवाद पर दलेर मेहंदी ने तोड़ी चुप्पी

मैंने जो झेला, वो बता नहीं सकता...

'उत्तराखंड मेला' विवाद पर पहली बार दलेर मेहंदी ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला, जिसे बयान करना भी मुश्किल है. उन्होंने सपोर्ट के लिए सबका शुक्रिया किया. उत्तराखंड में मां कुंजापुरी टूरिज्म एंड डेवलपमेंट मेले में परफॉर्मेंस के दौरान हुए 'शराब और लिपसिंक' विवाद पर पहली बार सिंगर दलेर मेहंदी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. दिवाली के खास मौके पर उन्होंने उस विवाद में सपोर्ट करने के लिए तमाम फैंस, फैमिली और फिल्म इंडस्ट्री के साथियों का शुक्रिया अदा किया है. उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने कार्यक्रम के दौरान उनपर शराब पीकर परफॉर्म करने और खुद गाने की बजाय गानों पर लिपसिंक करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दलेर मेहंदी के भाई और सिंगर मीका सिंह समेत कई सितारों ने उनके लिए आवाज उठाई थी. इंस्टाग्राम पर जारी दो पन्नों के बयान में दलेर मेहंदी ने लिखा है, 'इस दिवाली मैं खास तौर पर आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. जिस भी स्टेज पर मैं गया, मेरे संगीत की वजह से कई सालों से मुझे खूब प्यार मिला है, पर कुछ दिनों पहले मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला है, जिसे शब्दों में बयान करना भी मुश्किल है.

'मैंने आपकी दुआओं को महसूस किया'

दलेर मेहंदी ने पोस्ट में लिखा है कि मैंने आपके संदेश पढ़े, आपकी बातें सुनीं और आपकी दुआओं को महसूस किया. इन सबके बीच मैं खुद को बेहद भाग्यशाली और आपका आभारी महसूस कर रहा हूं. आगे उन्होंने कहा कि इस पूरे वक्त में उनका परिवार उनकी सबसे बड़ी ताकत की तरह उनके साथ रहा. उन्होंने मीका सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि मेरा भाई मीका मेरे लिए एक ऐसी ताकत बनकर खड़ा हुआ, जिसका सामना करना आसान नहीं था. उन्होंने पोस्ट में अपनी पत्नी तरन, बेटे गुरदीप और बेटी रबाब, अजित और प्रभजोत की भी सराहना की. उनहोंने पोस्ट में लिखा, 'पूरी म्यूजिक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री, भारत के कोने-कोने से मुझसे संपर्क करने वाले सभी लोगों, मेरे फैंस और पूरे देश का शुक्रिया. आपने मुझे प्यार, विश्वास और सम्मान का जो सरोपा दिया है, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं. '



सुनील ग्रोवर ने दीवाली पर सड़क किनारे बैठ बच्चियों संग बेची फूल-माला



सुनील ग्रोवर ने एक बार फिर अपने प्यारे जेस्चर से हर किसी का दिल जीत लिया है। उन्होंने सड़क किनारे तीन बच्चियों के साथ बैठकर फूल बेचा। मालाएं लेकर बैठे सुनील ग्रोवर की हर कोई तारीफ कर रहा है। कुछ लोगों ने तो उन्हें 'असली हीरो' भी कहा।

सुनील ग्रोवर ने बेचे फूल

एक्टर और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर हमेशा ही अपनी किसी न किसी हरकत से फैंस का दिल जीत लेते हैं। एक बार फिर से दिवाली पर भी कुछ ऐसा ही हुआ और एक्टर ने फिर से अपने चाहने वालों का दिल जीत लिया। सुनील ग्रोवर ने दिवाली पर सड़क किनारे बैठकर फूल वाले दुकानदारों के साथ फूल बेचा। वो फूल-माला बेचने वाली छोटी बच्चियों संग बैठकर मालाएं बेचते हुए दिखे।

सुनील ग्रोवर ने जब से ये फोटो शेयर की है, फैंस उन्हें और भी अधिक पसंद कर रहे हैं। फूल बेचते हुए उन्होंने अपनी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी दिवाली सबको।'

सुनील ग्रोवर के लिए फैंस का उमड़ा प्यार

फोटो पर उनके फैंस ने दिल खोलकर कमेंट्स किए और सबने तारीफ ही की। एक ने लिखा, 'एक ही दिल कितनी बार दिल जीतोगे भाई।' एक ने कहा, 'क्या चीज हो आप।' एक फैन ने कहा, वाह, 'आप कितने डाउन टू अर्थ हैं।' एक ने लिखा- आपका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

सुनील ग्रोवर की हिट मिमिक्री

सुनील ग्रोवर ने फिल्मों और OTT शो में अपने काम से बार-बार साबित किया है कि वे हर तरह के किरदार निभाने में माहिर हैं। हालांकि, जब भी वे 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मंच पर आते हैं, तो एक जादू सा बिखेर देते हैं। सलमान खान, आमिर खान, नवजोत सिंह सिद्धू, कपिल देव, गुलज़ार और कादर खान जैसी कई मशहूर हस्तियों की बेहतरीन मिमिक्री करके दर्शकों को प्रभावित करने वाले सुनील ग्रोवर, इस बार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में नजर आए।

अटल बिहारी वाजपेयी बनकर सुनील ने जीता दिल

शो के मेकर्स ने हाल ही में आने वाले एपिसोड का एक प्रोमो जारी किया, जिसमें सुनील पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अंदाज में 'सरल बिहारी वाजपेयी' बनकर सामने आते हैं। जैसे ही वे मंच पर आते हैं, दर्शक, जज नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह, वहां मौजूद मेहमान उन्हें हैरानी और तारीफ भरी नजरों से देखते रह जाते हैं।



फराह खान ने फर्जी वीडियो रिपोर्ट्स पर लगाई जमकर फटकार, कहा– जिम्मेदार बनें!

फराह खान ने पर अपने घर में आग लगने की फर्जी खबरों पर फटकार लगाई है। फिल्ममेकर ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा ही वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके घर में आग लगने के फर्जी दावे किए गए थे। फराह ने दो टूक शब्दों में ऐसे रिपार्टस के लिए जिम्मेदार बनने' की सलाह दी है। बॉलीवुड की मशहूर फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर और अब व्लॉगर फराह खान भड़क गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल उन रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया कि दिवाली के मौके पर उनके घर में आग लग गई है। 61 साल की फराह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ऐसे ही वीडियो को शेयर कर फटकार लगाई है। फराह ने साफ किया कि ऑनलाइन शेयर किए जा रहे ऐसे वीडियोज असल में एक निर्माणाधीन इमारत के हैं।

क्या टूटने से बचा चीची का रिश्ता?

पत्नी सुनीता बोलीं- 40 साल पुरानी शादी क्यों नहीं टिकेगी



अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच का तनाव बीते दिनों काफी चर्चा का विषय रहा। कपल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। मगर अब सुनीता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने रिश्ते को बचाने के बारे में काफी कुछ कहा।

रिश्ते पर क्या बोलीं सुनीता?

सुनीता आहूजा ने गोविंदा और उनकी को-स्टार पर अफेयर के आरोप लगाए थे। हाल ही में पिंकविला से हुई बातचीत में सुनीता ने कहा, 'यह 40 साल पुरानी शादी है, आखिर क्यों नहीं टिकेगी? सब ठीक है, वो वही कर रहे हैं, जो उन्हें पसंद है। मैं काम कर रही हूं और मेरा पूरा ध्यान काम पर ही है, लेकिन इस जन्म में हमें कोई कभी अलग नहीं कर सकता। बाकी, मैंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है. भगवान के अलावा मैं किसी से कुछ नहीं मांगती। उनके लिए और मेरे लिए जो भी सही होगा, भगवान हमारे साथ वही करेंगे।'



बच्चों को नहीं करना चाहती पिता से अलग

बीते दिनों सुनीता आहूजा ने टॉल टेल्स कोलकाता में सुनीता ने कहा, 'मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो बच्चों से कहे कि वे अपने पिता को छोड़ दें। यह उनका अपना फैसला है। मेरा मतलब है, ऐसा कहना बेकार है क्योंकि वे उनके पिता हैं। उन्हें भी इस बारे में सोचना चाहिए। सिर्फ महिलाओं को ही क्यों सोचना चाहिए? महिलाएं डिप्रेशन में क्यों रहें?'



संक्षिप्त समाचार

मिस्र में भीषण ट्रेन हादसा : दो ट्रेनों की टक्कर के बाद पटरी से उतरे डिब्बे, 7 की मौत, 125 घायल



अल-अय्यात, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में रविवार को दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और कम से कम 125 लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में ट्रेन का कंडक्टर भी शामिल है. हेल्थ मिनिस्ट्री ने मरने वालों की संख्या बताते हुए एक बयान में कहा कि 70 से ज़्यादा घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक यह हादसा गीजा प्रांत के अल-अय्यात जिले में हुआ, जो काहिरा से लगभग 52 किलोमीटर (32 मील) दक्षिण में है. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी फयूम प्रांत जा रही एक ट्रेन, दक्षिणी प्रांत असवान जा रही एक ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई. चीफ प्रॉसिक्यूटर के ऑफिस ने रविवार देर रात कहा कि उनके इन्वेस्टिगेटर मौके पर पहुंच गए हैं. अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चला है कि क्रैश तब हुआ जब गीजा-फय्यूम ट्रेन काहिरा-असवान ट्रेन के आखिरी डिब्बे से टकरा गई, जो उसी ट्रैक पर खड़ी थी और उसी दिशा में जा रही थी. मिस्र में ट्रेन का पटरी से उतरना और क्रैश होना आम बात है, जहां रेलवे सिस्टम में मिसमैनेजमेंट और इक्विपमेंट के खराब मेंटेनेंस का इतिहास रहा है. हाल के सालों में सरकार ने मॉडर्नाइजेशन की पहल की घोषणा की है. अल-अय्यात के कफर गिरजा के रहने वाले अयमान गमाल ने कहा कि जहाँ यह हादसा हुआ आस-पास रहने वाले लोग मौके पर दौड़े, ज़िंदा बचे लोगों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस को बुलाया. गमाल ने कहा कि उन्होंने लगभग 80 घायलों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाते देखा. उन्होंने कहा कि कुछ यात्री रुकी हुई ट्रेन के एक डिब्बे में फँस गए थे और जब उन्हें बाहर निकाला गया तो उनकी मौत हो चुकी थी. बेनी सुएफ प्रांत के अल-वस्ता सेंट्रल हॉस्पिटल के बाहर जहाँ कुछ घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया था, बचे हुए लोगों ने कहा कि यात्री सदमे में थे और उड़ रही धूल की वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी. उन्होंने कहा कि आस-पास के गाँव वालों ने आखिरकार उन्हें बाहर निकाला. फय्यूम ट्रेन के अंदर मौजूद एक बची हुई फरहा गमाल ने कहा कि उसने कुछ यात्रियों को मरा हुआ देखा और कुछ लोग डिब्बे से बाहर निकलने के लिए जूझ रहे थे. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ और गाड़ियां भी थी जो पूरी तरह से खराब हो गई थी.' प्रेसिडेंट अब्देल-फतह अल-सिसी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने क्रैश की तुरंत जांच के आदश दिए हैं. इजिप्टियन रेलवे अथॉरिटी ने कहा कि मलबा हटाने और ट्रेन सर्विस को जल्द से जल्द नॉर्मल शेड्यूल पर लाने के लिए इमरजेंसी टीम और क्रेन मौके पर भेजे गए. पिछले सितंबर में उसी जिले में दो मालगाड़ियों की टक्कर में एक ट्रेन ड्राइवर और उसका असिस्टेंट घायल हो गए थे. इजिप्ट का सबसे खतरनाक ट्रेन क्रैश 2002 में हुआ था, जब काहिरा से दक्षिणी इजिप्ट जा रही एक रात भर चलने वाली ट्रेन में आग लगने से 300 से ज़्यादा लोग मारे गए थे.

कुर्दिस्तान के गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमला, बड़ा बिजली संकट

कुर्दिस्तान, एजेंसी। इराक के कुर्दिस्तान में खोर मोर गैस क्षेत्र पर एक ड्रोन हमला हुआ है। अल जज़ीरा के अनुसार, इस हमले से क्षेत्र में बड़ा ऊर्जा आपातकाल उत्पन्न हो गया। कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के बिजली मंत्रालय के प्रवक्ता ओमिद अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड में बिजली उत्पादन लगभग 2.8 गीगावाट कम हो गया। ड्रोन विस्फोट से गैस आपूर्ति बाधित हुई। इससे एरबिल, सुलेमानियाह, बाजियान, चमचमाल और दुहोक जैसे पांच प्रमुख शहरी केंद्रों को ईंधन नहीं मिला। अधिकारियों ने ग्रिड के पतन को रोकने के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए। बिजली मंत्रालय संवेदनशील स्थलों (अस्पतालों) को बिजली देने के लिए जलविद्युत व अन्य ईंधन स्टेशनों का उपयोग कर रहा है। कुर्द सुरक्षा बलों ने हमले की पुष्टि की पर किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। यह हमला कुर्द अधिकारियों और तेहरान के बीच उच्च स्तरीय सुरक्षा वार्ता के दौरान हुआ।

ट्रंप ने वार्ता में ठोस प्रगति नहीं होने पर ईरान के 38 पुलों को निशाना बनाने की धमकी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यह बहुत कम संभावना है कि वह अमेरिकी सेना को ईरान के साथ लड़ाई में वापस जाने का आदेश देंगे, बशर्ते तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने पर बातचीत में ठोस प्रोग्रेस हो. साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिका ने 38 ईरानी पुलों और मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर की पहचान की है जिन्हें नुकसान हो सकता है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. सीएनएन एंकर के साथ 20 मिनट के टेलीफोन इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी बात पांच बार दोहराई, जिससे पता चला कि अगर तेहरान पूरी डिप्लोमैटिक छूट देने के लिए राजी हो जाता है, तो आगे मिलिट्री बढ़ोतरी की बात नहीं होगी.

ट्रंप ने सीएनएन से कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक बहुत मजबूत एग्रीमेंट पर साइन करते हैं या नहीं.' जवाब यह है कि इसकी जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है. वे एक नाकाम देश हैं. यह अभी सामने आया है, आपने इस साल 301 फीसदी महंगाई देखी. इसकी जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है. अगर जरूरत पड़ी तो मैं करूँगा, लेकिन हमने उन पर बहुत जोर से मारा है. आपको नहीं पता कि मैंने उन पर कितना जोर से मारा है.' ट्रंप ने कहा कि पिछले मिलिट्री हमलों के साथ खतरनाक आर्थिक प्रतिबंध ने तेहरान की काबिलियत को बहुत कम कर दिया है. ट्रंप ने आगे कहा, 'इसलिए इसकी बहुत कम उम्मीद है कि मुझे ऐसा करना पड़ेगा. वे फाइनेंशियली खत्म हो रहे हैं हमने उन पर मिलिट्री हमला किया है. हम उन्हें खत्म कर सकते हैं.' सीएनएन के मुताबिक ट्रंप ने आगे बताया,



'हमारी साइट पर 38 पुल हैं जिन्हें हम सचमुच एक घंटे में गिरा सकते हैं. वे सभी गिर जाएंगे.' लॉजिस्टिकल रास्तों को खत्म करने में अपनी हिचकिचाहट बताते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि असल में उन्हें फिर से बनाने में 10 साल लगेंगे. मुझे पुल तोड़ना पसंद नहीं है और सबसे मुश्किल काम पुल बनाना है.

इसमें सालों लगते हैं और मैं एक अच्छा बिल्डर हूं.' इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के एक सलाहकार ने कहा कि वॉशिंगटन में हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम-जिसमें हाल ही में अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत भी शामिल है- का वॉशिंगटन के प्रति तेहरान के रुख पर कोई असर नहीं पड़ेगा, अल जजीरा ने रिपोर्ट किया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीनियर सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने अमेरिकी कानूनी माहौल में बदलावों से उम्मीदें न रखने की चेतावनी दी और ईरानी प्रशासन से सिर्फ घरेलू आर्थिक मजबूती पर भरोसा करने को कहा. अल जजीरा के मुताबिक मोखबर ने लिखा कि 'अपनी किस्मत वॉशिंगटन से बांधना नादानी होगी.' उन्होंने आगे कहा, 'अपने आर्थिक रिसोर्स को जुटाना जरूरी है. समय एक राष्ट्रीय संपत्ति है. इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए.' दिन में पहले ईरान की आर्म्ड फोर्सेज ने अमेरिका को इस्लामिक रिपब्लिक के प्रति अपनी दबदबे वाली और दुश्मनी भरी पॉलिसीज को आगे बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ खड़ी कोई भी ताकत आखिरकार खत्म और बिखर जाएगी.

ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक ईरान की आर्म्ड फोर्सेज के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल शेखरची ने कहा, 'अमेरिका में राजनीतिक और चुनावी प्रगति और ट्रंप प्रशासन और अलग-अलग फील्ड्स में उनकी पार्टी के साथियों की लगातार हार, देश की घरेलू पॉलिटिक्स में ऊपरी उतार-चढ़ाव का नतीजा होने के बजाय, एक बड़ी और पक्की सच्चाई की झलक है.' शेखरची ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी नेताओं की दुश्मनी भरी पॉलिसी, और वेस्ट एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में लगातार मिली नाकामियों ने वॉशिंगटन की स्थिति को कमजोर कर दिया है. प्रवक्ता ने कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी नेताओं की दुश्मनी भरी नीतियां, दुनिया में लगातार नाकामियां, खासकर पश्चिम एशियाई इलाके में हमलावर के मिलिट्री बेड़े और साजो-सामान का खत्म होना और उस देश की धमकियों में रुकावट ने व्हाइट

हेगसेथ को हटाने के लिए डेमोक्रेट्स लामबंद



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में जीत के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर दबाव बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। हाउस में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने हेगसेथ पर गंभीर कदाचार और ईरान के साथ जारी युद्ध के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। रविवार को एबीसी न्यूज से बातचीत में जेफ्रीज ने रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी की ओर से तैयार किए जा रहे महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मैं हेगसेथ के खिलाफ प्रस्ताव का पूरी तरह समर्थन करता हूं।' जेफ्रीज ने बताया कि डेमोक्रेटिक सांसद मंगलवार को दोबारा संसद की बैठक शुरू होने पर इस प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।

हेगसेथ पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप : जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा, 'कथित रक्षा मंत्री ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है और ईरान में इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध की योजना बनाई है। इस युद्ध के कारण अमेरिकी लोगों के लिए कीमतें बहुत बढ़ गई हैं और देश पहले से कम सुरक्षित हो गया है। पीट हेगसेथ को पद छोड़ना होगा। 'जेफ्रीज ने कहा कि जनवरी में कांग्रेस का औपचारिक नियंत्रण मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन इस संघर्ष को खत्म करने के लिए विधायी विकल्पों पर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'हम इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध को खत्म करने जैसे कदम उठाना चाहते हैं, जिसने लोगों की जिंदगी को बहुत महंगा बना दिया है।' वहीं, सीएनएन के मुताबिक, हेगसेथ ने एक वीडियो बयान जारी कर महाभियोग की पहल को खारिज कर दिया। उन्होंने इसे 'व्यक्तिगत छवि खराब करने की राजनीति' बताया और कहा कि यह उनके खिलाफ कामयाब नहीं होगी।

तेहरान की मांगें अस्वीकार्य और बेतुकी': अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का बड़ा बयान, ईरान ने क्या कहा?

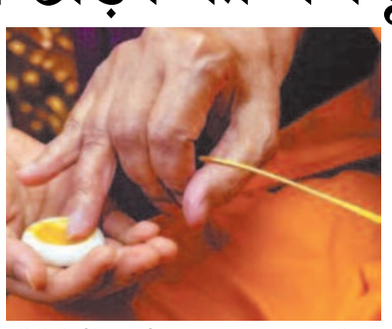


वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के साथ जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए की जा रही कूटनीतिक कोशिशों में अब तक कोई प्रगति या सफलता नहीं मिली है। उन्होंने इसके लिए तेहरान की मांगों को जिम्मेदार ठहराया और उन्हें 'अस्वीकार्य', 'अपमानजनक' और 'बेतुका' बताया। समाचार एजेंसी अल जजीरा के मुताबिक, रुबियो ने स्पष्ट किया कि फिलहाल दोनों देशों के बीच किसी समझौते की संभावना नजर नहीं आ रही है। फ्लोरिडा के होमस्टेड एयर रिजर्व बेस पर पेरिस रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में रुबियो ने यह टिप्पणी की। वह जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए पेरिस जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच पर्दे के पीछे चल रही बातचीत और मध्यस्थता के प्रयासों पर भी अपनी बात रखी। रुबियो ने स्वीकार किया कि कई तीसरे देश वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं और अलग-अलग प्रस्तावों के साथ दोनों पक्षों से संपर्क बनाए हुए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि बातचीत किसी समझौते के करीब पहुंच गई है। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं से दुनिया को सुरक्षित रखने के लिए उसके खिलाफ युद्ध शुरू किया था। उन्होंने स्वीकार किया कि यह फैसला जरूरी नहीं कि लोकप्रिय रहा हो, लेकिन देश और दुनिया की सुरक्षा के लिहाज से इसे लेना आवश्यक था। अल जजीरा के मुताबिक, रुबियो ने कहा, 'कई देश अलग-अलग विचारों के साथ उनके (ईरान) संपर्क में बने हुए हैं, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि हम किसी बड़ी सफलता के करीब हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतरराष्ट्रीय विवादों को कूटनीति के जरिए सुलझाने को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन बातचीत के लिए ऐसी शर्तें जरूरी हैं, जिन पर व्यावहारिक रूप से सहमति बन सके। रुबियो का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी बातचीत में गतिरोध की बात स्वीकार कर चुके हैं।

ब्रिटेन में नौ साल के हिंदू बच्चे को तिलक लगाने से रोका: स्कूल छोड़ने को मजबूर हुआ परिवार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नौ साल के एक हिंदू बच्चे को माथे पर तिलक लगाकर स्कूल आने से रोकने का मामला सामने आया है। यह विवाद लंदन के विकर्स ग्रीन प्राइमरी स्कूल से जुड़ा है। बच्चा स्वामीनारायण संप्रदाय को मानता है और 2021 से इस स्कूल में पढ़ रहा था। वह कई वर्षों से माथे पर धार्मिक पहचान के तौर पर तिलक चंदलो लगाकर स्कूल जाता था। हालांकि, 2025 के आखिर में स्कूल ने इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद विवाद बढ़ा और आखिरकार माता-पिता ने बच्चे को स्कूल से निकाल लिया। अब परिवार ने इस मामले में ब्रिटेन के हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

माता-पिता ने स्कूल पर क्या आरोप लगाए?: बच्चे के माता-पिता का कहना है कि उनके बेटे को केवल अपनी धार्मिक परंपरा का पालन करने की वजह से परेशानी झेलनी पड़ी। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अपने बेटे को सिर्फ आस्था का पालन करने के कारण इस तरह की स्थिति से गुजरते देखना उनके लिए बेहद दुखद था। माता-पिता के मुताबिक, बच्चा कई वर्षों से बिना किसी परेशानी के तिलक चंदलो लगाकर स्कूल जाता था। उन्होंने कहा कि उनके बेटे की धार्मिक पहचान से किसी को नुकसान नहीं पहुंचता था और न ही इससे उसकी पढ़ाई या स्कूल की



गतिविधियों पर कोई असर पड़ता था। परिवार ने कहा कि वे अपने बच्चों को सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाते हैं और चाहते हैं कि उनके धर्म के प्रति भी वैसा ही सम्मान दिखाया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसी दूसरे बच्चे को अपनी पढ़ाई और धर्म में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े।

परिवार ने हाईकोर्ट में क्या कानूनी मांग रखी है? : इस मामले में परिवार की ओर से अश्रे लॉ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। कानूनी टीम ने ब्रिटेन के इक्वैलिटी एक्ट 2010 के तहत धार्मिक भेदभाव और ह्यूमन राइट्स एक्ट 1998 के तहत मिले अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इंग्लैंड और वेल्स के हाईकोर्ट में दायर याचिका में परिवार ने 25 हजार पाउंड के हर्जाने की मांग की है।

स्कूल ने अपने बचाव में क्या कहा?

स्कूल ने परिवार की ओर से लगाए गए भेदभाव के आरोपों को खारिज किया है। विकर्स ग्रीन प्राइमरी स्कूल का कहना है कि उसने परिवार की धार्मिक मान्यताओं को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ काम किया और वैकल्पिक व्यवस्था की पेशकश भी की थी, लेकिन माता-पिता ने उसे स्वीकार नहीं किया। स्कूल ने यह भी कहा कि वह अपने समुदाय में अलग-अलग संस्कृतियों और धर्मों का सम्मान करता है। उसके मुताबिक, स्कूल की नीति का उद्देश्य आपसी मेलजोल, निष्पक्षता, समानता और सभी के साथ अपनापन बनाए रखना है। साथ ही, स्कूल समुदाय में किसी तरह के बंटवारे या व्यवधान को रोकना भी इस नीति का हिस्सा है। तिलक चंदलो स्वामीनारायण संप्रदाय को मानने वाले लोगों की धार्मिक पहचान का प्रतीक है। इसे आमतौर पर चंदन के लेप से अंग्रेजी के अक्षर 'यू' के आकार में बनाया जाता है और बीच में कुमकुम का छोटा लाल निशान लगाया जाता है। यह भगवान के प्रति भक्ति और विनम्रता का प्रतीक माना जाता है। परिवार का आरोप है कि स्कूल की आपत्ति के बाद बच्चे से उसके धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर बार-बार सवाल किए गए और उसे स्कूल की कुछ गतिविधियों में हिस्सा लेने से भी रोका गया।

कॉलेज के एक समारोह में गोलीबारी, जश्न के बीच अचानक हुआ हमला, एक की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्थित एक ऐतिहासिक अश्वेत विश्वविद्यालय में होमकमिंग समारोह के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है।

विंस्टन-सलेम स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल मिला। अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसी जगह पुलिस को 22 वर्षीय महिला भी मिली, जिसे गोली लगी थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद महिला को अस्पताल



से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में जियायरे स्पिंक्स नाम के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए हैं? : पुलिस के सहायक प्रमुख जेसन स्वेम के मुताबिक, आरोपी को बिना जमानत हिरासत में रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर बंदूक रखने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांचकर्ता मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। हालांकि, शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया है। इसका मतलब है कि फिलहाल इस गोलीबारी को किसी दूसरी घटना से जुड़ा हुआ नहीं माना जा रहा है।

क्या विश्वविद्यालय परिसर में एक से ज्यादा बार गोलीबारी हुई थी? : पुलिस ने रविवार तड़के हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शनिवार रात विश्वविद्यालय परिसर में दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, दूसरी घटना के बारे में अधिकारियों ने अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दूसरी गोलीबारी में कोई घायल हुआ या नहीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जांच जारी रखी है। अधिकारियों ने फिलहाल यह भी नहीं बताया है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं। ऐसे में दूसरी गोलीबारी से जुड़ी जानकारी सामने आना अभी बाकी है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने होमकमिंग समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। इन कार्यक्रमों के स्थान पर एक स्थानीय चर्च ने विश्वविद्यालय समुदाय के लिए प्रार्थना सभा आयोजित करने की योजना बनाई।



कैलिफोर्निया : जहाज से समुद्र में गिरा पियानोवादक, नौ घंटे तक तैरता रहा, मछुआरों ने बचाई जान

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में क्रूज शिप से गिरे एक पियानोवादक को नौ घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। वो समुद्र में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा। करीब 20 मील दूर समुद्र में तैर रहे इस व्यक्ति को दो मछुआरों ने बचाया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके बचने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट बीच के पास हुई। बचाए गए व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। उसने मछुआरों को बताया कि वह रॉयल कैरेबियन के 14 डेक वाले क्रूज जहाज 'ओवेशन ऑफ द सीज' में पियानोवादक के रूप में काम करता है। सीन नॉर्टन और ग्रांट गैरेट कैटालिना द्वीप के पास मछली पकड़ने के बाद अपनी नाव से लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजे उनकी नजर समुद्र में एक व्यक्ति पर पड़ी। उसे देखते ही उन्होंने मछली पकड़ने का सामान समेटा और नाव रोककर उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। दोनों मछुआरों ने मिलकर उसे नाव पर खींच लिया। पिपुल डॉट कॉम ने बताया कि नॉर्टन के मुताबिक, वह बेहद सदमे में था। होश संभालने के बाद उसने कहा, ''धन्यवाद, मुझे लगा था कि मैं मरने वाला हूं।'' व्यक्ति को बचाने के बाद मछुआरों ने समुद्री आपातकालीन सेवा को सूचना दी। इसके बाद न्यूपोर्ट बीच के लाइफगार्ड मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि व्यक्ति शुक्रवार तड़के करीब 2:30 बजे जहाज से समुद्र में गिरा होगा। हालांकि, इसकी सटीक पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) इस मामले की जांच कर रहा है कि वह क्रूज जहाज से समुद्र में कैसे गिरा। मछुआरों के मुताबिक, समुद्र का तापमान करीब 76 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 24.4 डिग्री सेल्सियस) होने से उसकी जान बचने में मदद मिली हो सकती है।

पोलैंड गोलीबारी: पीड़ितों के सम्मान में आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज, क्या बोलीं यूरोपीय संघ की प्रमुख वॉन डेर?

ब्रसेल्स, एजेंसी। पोलैंड के क्राको शहर में हुई भीषण गोलीबारी के पीड़ितों और बचावकर्मियों के सम्मान में यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय ध्वज आधे झुका दिए गए हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने हमले पर दुख जताया। साथ ही पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप ने दुख और हैरानी के साथ शनिवार को हुए इस खौफनाक हमले की खबर सुनी। उन्होंने कहा कि आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं।

उन्होंने लिखा, आज सुबह यूरोप ने कल क्राको में हुए खौफनाक हमले के बाद दुख और अविश्वास के साथ दिन की शुरुआत की। पीड़ितों और बहादुर बचावकर्मियों के सम्मान में हमारे राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके हुए हैं। ये यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं। नफरत से ज्यादा मजबूत। चरमपंथ से ज्यादा मजबूत।

गोलीबारी में कितने लोगों की गई जान?: यह बयान शनिवार को क्राको के मशहूर मेन मार्केट स्क्वायर में हुई गोलीबारी के बाद आया है। शहर के ऐतिहासिक केंद्र में एक बंदूकधारी ने गोलीबारी की थी। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में दो पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस बीच, पोलैंड के आंतरिक और प्रशासन मंत्रालय में सामाजिक संचार विभाग की निदेशक और प्रेस प्रवक्ता करोलिना गालेका ने



बताया कि हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। एक्स पर पोस्ट में गालेका ने बताया कि प्रभावित लोगों में ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल के नागरिक हैं।

उन्होंने लिखा, हम आपको बताना चाहते हैं कि कल क्राको में हुए हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। ये देश हैं- ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल।

पांच देशों के दूतावासों को दी गई जानकारी? : गालेका ने आगे बताया कि लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना की जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा, लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना के बारे में जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं। पीड़ितों की निजता बनाए रखने की जरूरत पर जोर देते हुए गालेका ने कहा कि अधिकारी उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, उनकी निजता की रक्षा के लिए हम पीड़ितों की उम्र, लिंग या स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे रहे हैं। पोलैंड के गृह मंत्री मार्सिन किएरविंस्की ने स्थानीय मीडिया को बताया कि संदिग्ध 24 साल का पोलिश नागरिक है। वह दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित था। उसके विचार बेहद कट्टर और अति-राष्ट्रवादी थे। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक, गोलीबारी के दौरान हमलावर ने सेना जैसी वर्दी और बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसने सेना में इस्तेमाल होने वाली लंबी बंदूक से गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने उसकी कार से कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खुद गोली लगने के बाद भी हमलावर पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाता रहा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)